Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-08 16-30 अप्रैल, 2022 (पाक्षिक) ₹20

'भाजपा कार्यकर्ताओं ने मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है'

भाजपा स्थापना दिवस

'भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व निरंतर बढ़ रहा है'

योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरी बार बने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

प. बंगाल हिंसा: फैक्ट फाइंडिंग टीम ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट

लगातार दूसरी बार गोवा के मुख्यमंत्री बने प्रमोद सावंत

सवाई माधोपुर (राजस्थान) आगमन पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का हार्दिक स्वागत करते राजस्थान भाजपा कार्यकर्तागण

सवाई माधोपुर (राजस्थान) में दीप प्रज्ज्वलित कर अनुसूचित जनजाति सम्मेलन का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में भाजपा के 42वें स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

अहमदाबाद (गुजरात) में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन कर सभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में भाजपा की भव्य जीत के लिए लखनऊ के नागरिकों के साथ धन्यवाद कार्यक्रम में भाग लेते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 आजादी के अमृत महोत्सव को कर्तव्यकाल में बदल दें भाजपा कार्यकर्ता : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर 6 अप्रैल, 2022 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया और उनसे देश के नवनिर्माण में और जन-जन की सेवा में...

10 योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरी बार बने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने 25 मार्च, 2022 को लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना...

12 लगातार दूसरी बार गोवा के मुख्यमंत्री बने प्रमोद सावंत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपाशासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और...

14 भाजपा ने तन-मन-धन से हिमाचल प्रदेश की सेवा की है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 9 अप्रैल, 2022 को शिमला में विधानसभा चौक से होटल पीटरहॉफ तक ए भव्य...

16 पश्चिम बंगाल हिंसा पर गठित फैक्ट फाइंडिंग टीम ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपी अपनी रिपोर्ट

भारतीय जनता पार्टी ने रामपुरहाट, बीरभूम में हो रही हिंसक घटनाओं पर गहरी पीड़ा और दुःख...

वैचारिकी

प्रकृति, संस्कृति और विकृति / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 24

श्रद्धांजलि

विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर 25

लेख

अंत्योदय के दर्शन से प्रेरित 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना / **विकास आनन्द** 32

अन्य

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है: जगत प्रकाश नड्डा 08

'पारिवारिक पार्टियां प्रजातंत्र और उसकी आत्मा के लिए खतरा हैं' 09

भाजयुमो ने पूरे देश में मनाया भाजपा स्थापना दिवस 17

भाजपा मनाएगी सामाजिक न्याय पखवाड़ा 18

मार्च, 2022 में 1,42,095 करोड़ रुपये का सर्वाधिक जीएसटी संग्रह हुआ 20

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि 6 माह और बढ़ाने को मिली मंजूरी 21

अंतरराज्यीय सीमा विवाद के निपटारे हेतु असम और मेघालय के बीच हुए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर 22

नागालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम के तहत दशकों बाद कम हुए अशांत क्षेत्र 23

बिम्सटेक क्षेत्रीय सहयोग को और सक्रिय बनाया जाए: नरेन्द्र मोदी 26

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर 27

राजस्थान में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ कांग्रेस सरकार: जगत प्रकाश नड्डा 28

'मन की बात' 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

भाजपा नेक नीयत और नेक इरादों के साथ कार्य कर रही है, इसलिए उसे जनता का भरपूर आशीर्वाद भी मिल रहा है। गरीबों, दलितों, पिछड़ों, महिलाओं के हितों और उनके उत्थान के लिए काम करना हमारी पार्टी के मूल संस्कार हैं।

जगत प्रकाश नड्डा

'पीएम किसान सम्मान निधि' हमारे किसान की उपलब्धियों का सम्मान है। सभी दावा करते रहे कि हम किसानों के हितैषी हैं, लेकिन किया किसी ने कुछ भी नहीं। एक ऐसी योजना जिसमें किसान को सीधा आर्थिक लाभ मिले, इस योजना के शिल्पकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

अमित शाह

पीएम मुद्रा योजना ने 7 साल से न सिर्फ छोटे व मध्यम उद्यमियों को आर्थिक सहायता व समान अवसर प्रदान कर जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया, बल्कि स्वरोजगार व दूसरों के लिए रोजगार सृजन में निरंतर नये कीर्तिमान गढ़ रही है। इसके लिए श्री नरेन्द्र मोदी जी को बधाई देता हूं।

राजनाथ सिंह

भाजपा के स्थापना दिवस की सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। चार दशक से भी अधिक लम्बी अपनी यात्रा में भाजपा ने विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के नए मापदंड स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी भारत की सेवा के संकल्प को पूरा कर रही है।

बी.एल. संतोष

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज एक और निचले पायदान पर पहुंच गई है। दरअसल, मई में जबसे ममता बनर्जी ने कार्यभार संभाला है, तबसे यह गिरावट का दौर जारी है। आज बंगाल भाजपा के चीफ व्हिप श्री मनोज तिग्गा और अन्य पर विधानसभा के अंदर टीएमसी के सदस्यों द्वारा हमला किया गया।

नितिन गडकरी

कोरोना के खिलाफ चल रही देश की लड़ाई अब और होगी मजबूत। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में चल रहे विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के अंतर्गत अब 10 अप्रैल से 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिक प्राइवेट सेंटर से प्रिकॉशन डोज लगवा सकेंगे। वैक्सीन की दूसरी डोज लगे 9 महीने हो चुके नागरिक इसके लिए पात्र होंगे। इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में यह निर्णय महत्वपूर्ण साबित होगा।

संपादकीय

अंत्योदय के प्रति समर्पित सिद्धांतनिष्ठ भाजपा

भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता जब 6 अप्रैल, 2022 को भाजपा का 42वां स्थापना दिवस मना रहे थे, तब देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में उनका उत्साह देखते ही बनता था। यह एक ऐसा अवसर है जब हर वर्ष प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता उन उच्च आदर्शों एवं सिद्धांतों पर निःस्वार्थ समर्पित होने का संकल्प लेता है, जिनकी नींव पर भाजपा का निर्माण हुआ है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के बीजमंत्र का जाप करते, 'राष्ट्र प्रथम, पार्टी उसके बाद एवं स्वयं सबसे अंत में', के सिद्धांतों से प्रेरणा लेते हुए हर भाजपा कार्यकर्ता 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा न केवल एक अनूठी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि इसने पूरे देश की राजनीति की धारा को भी मोड़ दिया है। अपने निःस्वार्थ कार्यकर्ताओं एवं समर्पित नेतृत्व के बल पर इसका अचंभित कर देने वाला उदय यह प्रमाणित करता है कि सिद्धांतनिष्ठ राजनीति, नीतियों से समझौता न करने का संकल्प, ईमानदारी एवं असाधारण कर्तव्यबोध लोकतंत्र में आश्चर्यजनक परिणाम दे सकते हैं।

> जन-जन का भाजपा में बढ़ता विश्वास चुनाव-दर-चुनाव पार्टी को मिल रही सफलताओं में देखा जा सकता है

राजनैतिक परिदृश्य में आज भाजपा न केवल देश की एकमात्र आशा है, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण भी है। आज 18 करोड़ से भी अधिक की सदस्यता के साथ यह न केवल विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है, बल्कि यह एक ऐसी अनोखी पार्टी के रूप में उभरी है जिसमें अपने स्थापना काल से ही आंतरिक लोकतंत्र जीवंत है। यह स्वाभिमानी एवं समर्पित कार्यकर्ताओं एवं नेतृत्वकर्ताओं का एक ऐसा दल है, जिस पर देश की जनता का अटूट विश्वास है। आपातकाल के काले दिनों में भाजपा कार्यकर्ताओं (तब जनसंघ) के संघर्षों को कौन भूला सकता है? जब कभी भी लोकतंत्र पर कोई आंच आई या देश की एकता एवं अखंडता पर कोई प्रश्न खड़े किए गए, भाजपा कार्यकर्ता लोकतंत्र की रक्षा एवं देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण रखने में सबसे आगे रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचार, राजनैतिक सत्ता के दुरुपयोग एवं संविधान पर चोट करने के किसी भी प्रयास का हमेशा डटकर मुकाबला किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भाजपा एकमात्र ऐसे दल के रूप में उभरी, जिसने लोकतंत्र एवं जनहित में अनेक सुधारों की मांग एवं समर्थन किया ताकि देश की लोकतांत्रिक पद्धतियां और भी अधिक सुदृढ़ हो सके। एक ऐसे राजनैतिक दल के रूप में जो देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेता हो, भाजपा देश में सुदृढ़ अवसंरचना, युवाओं के लिए अपार संभावनाएं एवं भविष्योन्मुखी नीतियों के माध्यम से हर क्षेत्र के विकास के साथ 21वीं सदी का भारत बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

जन-जन का भाजपा में बढ़ता विश्वास चुनाव-दर-चुनाव पार्टी को मिल रही सफलताओं में देखा जा सकता है। हाल में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों से यह प्रमाणित होता है कि जहां भी अवसर मिला भाजपा सरकारें जनता के हृदय को जीतने में सफल रही हैं। चार राज्यों में भाजपा सरकारों को पुनः जनादेश मिलना न केवल ऐतिहासिक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भाजपा के प्रति जनविश्वास हर दिन बढ़ता ही जा रहा है। जिस प्रकार से मोदी सरकार 2014 के बाद 2019 में वृहत्तर जनादेश के साथ वापस आई, वही प्रक्रिया अब प्रदेशों में भी दुहराई जा रही है। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने कोविड-19 महामारी का सामना किया एवं इस वैश्विक महामारी में भी अवसरों का निर्माण किया, उसे पूरे विश्व ने सराहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राहत कार्यों पर 24 घंटे नजर बनाए रखने एवं बचाव के व्यापक प्रयासों का ही परिणाम था कि देश में ही 'मेड इन इंडिया' टीकों का निर्माण हुआ। साथ ही 80 करोड़ जनता के लिए राहत योजनाओं से हर गरीब एवं कमजोर वर्गों को सुरक्षा मिली, हर गरीब व्यक्ति को निःशुल्क राशन तथा देश के हर पात्र नागरिक को निःशुल्क टीका प्राप्त हुआ। इन विशाल उपलब्धियों के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान एवं इसके पैकेज के अंतर्गत किए गए सुधारों का परिणाम आज अर्थव्यवस्था के उच्च विकास दर के रूप में देखा जा सकता है। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में हर भाजपा कार्यकर्ता देश के प्रति अपनी प्रतिज्ञा एवं निष्ठा के प्रति पुनः संकल्पित हो रहा है, आने वाले दिनों में देश को नई ऊंचाइयां छूने से अब कोई रोक नहीं सकता। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भारतीय जनता पार्टी

स्थापना दिवस

प्रधान मंत्री

दिल्ली

आजादी के अमृत महोत्सव को कर्तव्यकाल में बदल दें भाजपा कार्यकर्ता : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर 6 अप्रैल, 2022 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया और उनसे देश के नवनिर्माण में और जन-जन की सेवा में कटिबद्ध होकर महती भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे आजादी के अमृत महोत्सव को कर्तव्यकाल में बदल दें। उन्होंने चैत्र नवरात्र की पंचमी अधिष्ठात्री स्कंदमाता को नमन करते हुए कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी सरकार की पूर्ण बहुमत से वापसी हुई है, इससे भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ गई है।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा के 42वें स्थापना दिवस पर जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक, संगठन और पार्टी के निर्माण में खुद को खपाने वाले सभी नाम-अनाम महापुरुषों को नमन करता हूं। मैं देश और दुनिया भर में फैले भाजपा के प्रत्येक सदस्य को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर कोहिमा तक भाजपा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को निरंतर सशक्त कर रही है। इस बार का स्थापना दिवस तीन और वजहों से बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। पहला कारण है कि इस समय हम देश की आजादी के 75 वर्ष का पर्व मना रहे हैं, आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। ये प्रेरणा का बहुत बड़ा अवसर है। दूसरा कारण है— तेजी से बदलती हुई वैश्विक परिस्थितियां, बदलता हुआ ग्लोबल ऑर्डर। इसमें भारत के लिए लगातार नई संभावनाएं बन रही हैं। तीसरा कारण भी उतना ही अहम है। कुछ सप्ताह पहले चार राज्यों में भाजपा की डबल इंजन की सरकारें वापस लौटी हैं। तीन दशकों के बाद राज्यसभा में किसी पार्टी के सदस्यों की संख्या 100 तक पहुंची है।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर कोहिमा तक भाजपा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'के संकल्प को निरंतर सशक्त कर रही है। इस बार का स्थापना दिवस तीन और वजहों से बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। पहला कारण है कि इस समय हम देश की आजादी के 75 वर्ष का पर्व मना रहे हैं, आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। ये प्रेरणा का बहुत बड़ा अवसर है। दूसरा कारण है— तेजी से बदलती हुई वैश्विक परिस्थितियां, बदलता हुआ ग्लोबल ऑर्डर। इसमें भारत के लिए लगातार नई संभावनाएं बन रही हैं। तीसरा कारण भी उतना ही अहम है। कुछ सप्ताह पहले चार राज्यों में भाजपा की डबल इंजन की सरकारें वापस लौटी हैं। तीन दशकों के बाद राज्यसभा में किसी पार्टी के सदस्यों की संख्या 100 तक पहुंची है

उन्होंने कहा कि वैश्विक दृष्टिकोण से देखें या राष्ट्रीय दृष्टिकोण से, भाजपा और भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व लगातार बढ़ रहा है। इसलिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता देश के सपनों के प्रतिनिधि है, देश के संकल्पों के प्रतिनिधि है। इस अमृतकाल में भारत की सोच आत्मनिर्भरता की है। लोकल को ग्लोबल बनाने की है। सामाजिक न्याय की है। समरसता की है। इन्हीं संकल्पों को लेकर विचार के रूप में हमारी पार्टी की स्थापना हुई। ये अमृतकाल हमारे कार्यकर्ता के लिए

कर्तव्य काल है। हमें देश के संकल्पों के साथ निरंतर जुड़े रहना है और खुद को खपा देना है। हमारी सरकार राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम कर रही है। आज देश के पास नीतियां भी हैं, नीयत भी है।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब लोगों ने मान लिया था कि सरकार किसी की भी आए, लेकिन देश का कुछ नहीं हो पाएगा। चारों ओर निराशा ही निराशा का वातावरण व्याप्त था, लेकिन आज देश का एक-एक जन गर्व से यह कह रहा है कि देश बदल रहा है। तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज दुनिया के सामने एक ऐसा भारत है, जो बिना किसी डर या दबाव के अपने हितों के लिए अडिग रहता है। जब पूरी दुनिया दो विरोधी ध्रुवों में बंटी हो, तब भारत को एक देश के रूप में देखा जा रहा है, जो दृढ़ता के साथ मानवता की बात कर सकता है।

श्री मोदी ने कहा कि आज देश के पास निर्णय शक्ति और निश्चय शक्ति भी है। आज हम लक्ष्य तय कर रहे हैं और उन्हें पूरा भी कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही देश ने 400 बिलियन डॉलर यानी 30 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा उत्पादों पर एक्सपोर्ट का टारगेट पूरा किया है। कोरोना काल में ये टारगेट पूरा करना भारत के सामर्थ्य को दिखाता है। भारत कोरोना की लड़ाई को संसाधनों से लड़ रहा है, लगातार जीतने का प्रयास कर रहा है। आज भारत 180 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज देने वाला देश है। इतने मुश्किल समय में भारत 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दे रहा है।

> **आज दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, नौजवानों के साथ ही जिस तरह महिलाएं भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़ी हुई हैं, वो अपने आप में नए युग की ताकत का प्रतिबिम्ब हैं। भाजपा का विजय तिलक करने में सबसे आगे माताएं-बहनें आती हैं। ये चुनावी घटना नहीं, सामाजिक और राष्ट्रीय जागरण है जिसका इतिहास में विश्लेषण किया जाएगा**

उन्होंने कहा कि हमारे देश में दशकों तक कुछ राजनीतिक दलों ने सिर्फ वोट बैंक की राजनीति की है। कुछ लोगों को ही वायदे करो, ज्यादातर लोगों को तरसा कर रखो। भेदभाव, भ्रष्टाचार... ये सब वोट बैंक की राजनीति का साइड इफेक्ट था। भाजपा ने इस वोट बैंक की राजनीति को टक्कर दी और इसके नुकसान देश को समझाने में सफल रही है। भाजपा की नेकनीयत से किए जाने वाले कामों की वजह से जनता का भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है। आज दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, नौजवानों के साथ ही जिस तरह महिलाएं भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़ी हुई हैं, वो अपने आप में नए युग की ताकत का प्रतिबिम्ब हैं। भाजपा का विजय तिलक करने में सबसे आगे माताएं-बहनें आती हैं। ये चुनावी घटना नहीं, सामाजिक और राष्ट्रीय जागरण है जिसका इतिहास में विश्लेषण किया जाएगा। महिलाओं में सुशासन और कड़े कानूनों से सुरक्षा का भाव हमने पैदा किया। स्वास्थ्य से लेकर रसोई की चिंता की है। मातृशक्ति में आत्मविश्वास पैदा हुआ है जो भारत को नई दिशा दे रही है। विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना हमारा दायित्व है।

उन्होंने कहा कि आज़ादी के इस अमृत काल में हमने सैचुरेशन यानी जनकल्याण की हर योजना को शत-प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचाने का जो संकल्प लिया है, वो बहुत विराट है। सैचुरेशन तक पहुंचने के इस अभियान का मतलब है—भेदभाव की सारी गुंजाइश को खत्म करना, तुष्टिकरण की आशंकाओं को समाप्त करना, स्वार्थ के आधार पर लाभ पहुंचाने की प्रवृत्ति को खत्म करना और समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचे, ये सुनिश्चित करना।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे लिए राजनीति और राष्ट्रनीति साथ-साथ चलते हैं। हम राजनीति से राष्ट्रनीति को अलग करके चलने वाले लोग नहीं हैं। ये भी सच्चाई है कि अभी भी देश में दो तरह की राजनीति चल रही है। एक राजनीति है परिवार भक्ति की और दूसरी है, राष्ट्र भक्ति की। केंद्रीय स्तर पर अलग-अलग राज्यों में हमारे यहां कुछ राजनीतिक दल हैं, जो सिर्फ और सिर्फ अपने-अपने परिवार के हितों के लिए काम करते हैं। परिवारवादी सरकारों में परिवार के सदस्यों का स्थानीय निकाय से लेकर संसद तक दबदबा रहता है। ये अलग राज्यों में हों, पर परिवारवाद के तार से जुड़ रहते हैं। एक दूसरे के भ्रष्टाचार को ढंककर रखते हैं। इन परिवारवादी पार्टियों ने देश के युवाओं को भी आगे नहीं बढ़ने दिया। उनके साथ हमेशा विश्वासघात किया है। आज हमें गर्व होना चाहिए कि आज भाजपा ही इकलौती पार्टी है, जो इस चुनौती से देश को सजग कर रही है। लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करने वाली ये पार्टियां, संविधान और संवैधानिक व्यवस्थाओं को भी कुछ नहीं समझतीं। ऐसी पार्टियों से आज भी हमारे कार्यकर्ता अन्याय, अत्याचार और हिंसा के खिलाफ लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज देश जमीन से जुड़े तमाम अभियानों को आगे बढ़ा रहा है। सरकार के अभियानों के सारथी भाजपा के कार्यकर्ता ही हैं। अभी कुछ दिन बाद ही ज्योतिबा फुले और बाबा साहब अंबेडकर की जयंती है। पार्टी आज से सामाजिक न्याय पखवाड़ा शुरू करने जा रही है। आपसे आग्रह है कि इस अभियान में सक्रियता से जुड़ें। सरकार गरीबों के लिए जो योजना चला रही है, उनके प्रति देशवासियों को जागरूक करें। कार्यकर्ता के रूप में पार्टी मुझे जो आदेश करेगी, मैं भी उसे कार्यकर्ता के रूप में पूरी मेहनत करूंगा। आपका साथी कार्यकर्ता होने के नाते मेरी आपसे यही अपेक्षा है।

अपने उद्बोधन की शुरुआत में ही श्री मोदी ने कहा कि आज नवरात्रि की पंचमी तिथि भी है। आज के दिन हम सभी मां स्कंदमाता की पूजा करते हैं। हम सबने देखा है कि मां स्कंदमाता कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं और अपने दोनों हाथों में कमल का फूल थामें रहती हैं। मेरी प्रार्थना है कि मां स्कंदमाता का आशीर्वाद देशवासियों पर, भाजपा के प्रत्येक कर्मठ कार्यकर्ता और प्रत्येक सदस्य पर हमेशा बना रहे। ■

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 अप्रैल, 2022 को पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में पार्टी झंडे का ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात् देश की एकता एवं अखंडता के अग्रदूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने भाजपा कार्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन से पहले वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से श्री नड्डा ने उनका इस कार्यक्रम में अभिनंदन किया और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने सर्वप्रथम इस कार्यक्रम में देश के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने विचारधारा, राष्ट्रसेवा एवं जन सेवा को समर्पित विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं, सभी मंडल, जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों और बूथ कार्यकर्ताओं को बधाई दी और उनके जीवन में आगे बढ़ते रहने की मंगलकामना की।

> **मैं एक ही बात कहूंगा कि– "तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें या ना रहें।" इसी मंत्र को लेकर हमारे करोड़ों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बताये रास्ते पर चल रहे हैं और चलते रहेंगे**

उन्होंने कहा कि यह हम लोगों के लिए अपार हर्ष का अवसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी की विकास यात्रा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया है। हम सबका जिन्होंने हमेशा मार्गदर्शन किया है और विषम परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की राह दिखाई है, ऐसे यशस्वी प्रधानमंत्रीजी का आज के पावन दिन हम सभी को संबोधन और मार्गदर्शन मिलनेवाला है। मैं अपनी ओर से और आप सभी कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं। स्थापना से लेकर आज तक, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीजी, पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी, श्रद्धेय सुंदर सिंह भंडारीजी, आदरणीय कुशाभाऊ ठाकरेजी, श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणीजी जैसे मनीषी महापुरुषों ने पार्टी को सींचा है और इन्हीं मनीषी महापुरुषों के त्याग, तपस्या और बलिदान के बल पर हमने लोक सभा में 2 सांसदों से 303 तक की यात्रा की है।

श्री नड्डा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में दोबारा पहले से भी अधिक बहुमत के साथ हमारी सरकार बनी है जो जन-जन के कल्याण और गरीबों की सेवा के भाव से ओतप्रोत है। आज देश के 17 राज्यों में भाजपा और भाजपा गठबंधन की सरकारें हैं, लोक सभा और राज्य सभा मिलाकर पार्टी के 400 से अधिक सांसद हैं और 1300 से अधिक विधायक हैं। यह हम सबके लिए गौरवमय अवसर है और हमारा परम सौभाग्य भी कि हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को लगातार आगे बढ़ता हुआ देख रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारतीय जनता पार्टी को केवल एक राजनैतिक दल के रूप में ही नहीं जाना जाता है, बल्कि इसका सामाजिक और मानवीय पक्ष भी उजागर हुआ है। कोरोना काल में प्रधानमंत्रीजी के सेवा ही संगठन के आह्वान को धरातल पर उतारकर हमारे करोड़ों कार्यकर्ताओं ने मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमारे कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए कोरोना काल में हर जरूरतमंद की हरसंभव मदद की। पूरी दुनिया में भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने कोरोना काल में जन-जन की सेवा कर स्पष्ट कर दिया कि भाजपा का लक्ष्य 'सेवा' है। भाजपा ने इस बात को पूरी दुनिया में स्थापित किया कि राजनैतिक दल का कार्य सेवा भी होता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की छवि में बहुत बड़ा अंतर आया है। भाजपा राष्ट्रीयता से ओतप्रोत तो थी ही, अब यह गरीबों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, युवाओं, महिलाओं सहित अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति की पार्टी है, उनके आंसू पोछनेवाली पार्टी है, उनका सशक्तिकरण करते हुए देश को आगे बढ़ाने वाली पार्टी है। भाजपा की पहचान और छवि यही है। ■

'पारिवारिक पार्टियां प्रजातंत्र और उसकी आत्मा के लिए खतरा हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नडडा ने पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर 6 अप्रैल, 2022 को नई दिल्ली के करोलबाग से पूरे हर्षोल्लास के साथ निकलने वाली शोभा यात्रा में भाग लिया और कहा कि 6 अप्रैल, 1980 में आज ही के दिन भाजपा का गठन हुआ था और उस वक्त हम लोगों ने दिल्ली में निर्णय लिया था कि हम सभी मिलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में राजनैतिक कार्य को आगे बढ़ाएंगे। एक राजनैतिक दल के रूप में भाजपा आज अपने 42 साल पूरे किए हैं। इस शुभ अवसर पर पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं।

श्री नड्डा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन आज सुबह दस बजे हुआ। हमारे 8 लाख से ज्यादा बूथों पर करोड़ों-करोड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। यह इस बात को दर्शाती है कि विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी, भारतीय जनता पार्टी जब अपना स्थापना दिवस भी मनाती है, तो वह दुनिया का सबसे बड़ा स्थापना दिवस का कार्यक्रम हो जाता है। पूरे देशभर में, 8 लाख से ज्यादा बूथों पर करोड़ों कार्यकर्ता पूरे हर्षोल्लास के साथ इस उत्सव में शामिल हो रहे हैं। आज के दिन लगभग 15 हजार मंडलों में भाजपा कार्यकर्ता एकत्र होकर एक साथ पार्टी की स्थापना दिवस मना रहे हैं, जिस प्रकार हम सब मिलकर दिल्ली के राजेन्द्र मंडल में स्थापना दिवस मना रहे हैं।

शोभायात्रा, दिल्ली

श्री नड्डा ने कहा कई आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है और आज के दिन उन लोगों को याद करना हम लोगों के लिए परम कर्तव्य है जिन्होंने भारतीय जनसंघ काल से, जब हमारा दीया का निशान होता था, उस समय से जनसंघ के कार्यों को शुरू किया और आगे बढ़ाया। उस समय हम लोग दीया जलाकर चलते थे, बाद में हमने कमल खिलाया। हम लोगों ने एक लंबी यात्रा पूरी की है और अपने आप को इसमें खपाया है। आज उन लोगों को याद और नमन करने का दिन है, जिन्होंने स्वयं कुछ पाया नहीं, किन्तु संगठन को मजबूत करने के लिए अपना सर्वस्व लगा दिया। इसलिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आज करोड़ों कार्यकर्ताओं के साथ उन लोगों को, जिन्होंने पार्टी को सींच कर इतना बड़ा किया है, मैं आपकी ओर से और अपनी ओर से उनको नमन करता हूं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करता हूं।

उन्होंने पार्टी की राजनैतिक यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले 42 वर्षों में भाजपा ने एक लम्बी यात्रा तय की है, बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे हैं। बहुत गर्मियां देखीं और सर्दियां सही हैं। बहुत वसंत देखे और बहुत सावन भी। एक समय ऐसा भी था, जब संसद में हमारे दो सदस्य हुआ करते थे। विपक्ष हमारा मजाक उड़ाते हुए कहते थे— हम दो और हमारे दो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को गौरव बढ़ा है और आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। 17 करोड़ से ज्यादा हमारे सदस्य हैं। 8.5 लाख से ज्यादा बूथ पर हमारी मजबूत उपस्थिति है और यह उपस्थिति देश में सभी 11 लाख बूथों तक पहुंचानी है।

उन्होंने कहा कि बहुत से प्रदेशों में हम विपक्ष में हैं, जहां हमारी लड़ाई पारिवारिक पार्टियों के साथ है। मैं मानता हूं कि पारिवारिक पार्टियां प्रजातंत्र और उसकी आत्मा के लिए खतरा है। आज हमें गर्व होना चाहिए कि आज भाजपा ही इकलौती पार्टी है जो इस चुनौती से देश को सजग कर रही है, सतर्क कर रही है। जहां तक राष्ट्रवाद का सवाल है, हमारे दुश्मन भी जानते हैं कि राष्ट्रवाद से ओतप्रोत एकमात्र पार्टी भारतीय जनता पार्टी है। अन्य पार्टियां अपनों-परायों से, परिवार से जुड़ी हुई होने के कारण विचारधारा की पार्टियां नहीं रह गई हैं। उनके लिए राजनीति व्यक्तिगत स्वार्थ है और हमारे लिए राजनीति राष्ट्रनीति है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा इस बात को लेकर चलती है कि – "हम रहे न रहे, देश बढ़े/हम रहे न रहे/विचारधारा बढ़े/भारत आगे बढ़े।''

उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि हमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में एक ऐसा नेतृत्व मिला है जो हमेशा पिछड़ों, दलितों, वंचितों, पीड़ितों, शोषितों, समाज के अंतिम पायदान पर रहने वाले व्यक्ति की चिंता करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है कि वह अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और देखे कि उन्हें श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है या नहीं। ■

योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरी बार बने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने 25 मार्च, 2022 को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, भाजपाशासित राज्यों के मुख्यमंत्री—मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्रीगण, विशिष्टजन और भाजपा के हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे। श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री ब्रजेश पाठक ने भी उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके अलावा 16 कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने योगी आदित्यनाथ और 52 अन्य मंत्रियों को शपथ दिलाई। इस कैबिनेट के 52 मंत्रियों में से 21 चेहरे ऐसे थे, जो पिछली सरकार में भी मंत्री थे, वहीं 31 नए चेहरे को भी कैबिनेट में जगह दी गयी।

शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले नवनिर्वाचित विधायकों ने योगी आदित्यनाथ को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में चुना। लखनऊ में भाजपा की बैठक के तुरंत बाद निषाद पार्टी के नेता श्री संजय निषाद और अपना दल (एस) के अध्यक्ष श्री आशीष पटेल ने राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर योगी आदित्यनाथ जी और उनके मंत्रिमंडल को हार्दिक बधाई। पिछले 5 वर्षों में राज्य की विकास यात्रा ने कई अहम पड़ाव तय किए हैं। मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में प्रदेश जन आकांक्षाओं को पूरा करते हुए प्रगति का एक और नया अध्याय लिखेगा।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पुनः शपथ लेने पर श्री योगी आदित्यनाथ, साथ ही उप-मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री ब्रजेश पाठक को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि आप सभी के प्रयास से प्रदेश सफलता की नयी ऊंचाइयों को छूएगा।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा सरकार के लिए समर्थन पत्र सौंपा। योगी आदित्यनाथ ने भी राज्यपाल से मिलकर भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश किया।

'योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन के राजनीतिकरण को खत्म किया और राजनीति को अपराध से मुक्त किया'

भाजपा विधायकों की बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 2014 के बाद से यूपी में पार्टी की सफलताओं ने इस बात को सुनिश्चित किया है कि अब जनता जातिवाद और तुष्टिकरण की तुलना में परफॉर्मेंस की राजनीति का समर्थन कर रही है। श्री शाह ने कहा कि जातिवादी और वंशवादी दलों के कारण उत्तर प्रदेश को लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने लगातार दूसरी बार भाजपा की भव्य जीत का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले 37 सालों में उत्तर प्रदेश में किसी भी पार्टी को दोबारा पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। यह ऐतिहासिक है कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसे लगातार दूसरी बार दो तिहाई से अधिक सीटें मिली हैं।

श्री शाह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन के राजनीतिकरण को खत्म किया और राजनीति को अपराध से मुक्त किया। सरकार के इन कदमों ने इस बात को सुनिश्चित किया है कि अब यदि कोई शिकायत दर्ज करता है तो उस पर कानूनी कार्रवाई होती है।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में सुशासन का मार्ग प्रशस्त हुआ: योगी आदित्यनाथ

पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास' के समावेशी मंत्र का यूपी चुनाव परिणामों पर प्रभाव पड़ा है। योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह को अपने पिछले कार्यकाल में मार्गदर्शन देने के लिए धन्यवाद दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा, "जब मैं पहली बार मुख्यमंत्री बना तो मुझे कोई प्रशासनिक अनुभव नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में सुशासन का मार्ग प्रशस्त करने में मेरा मार्गदर्शन किया।"

श्री आदित्यनाथ ने कहा, "लोगों को पहली बार लगा कि गरीबों के लिए घर भी बन सकते हैं, पहली बार ऐसा लगा कि पैसा सीधे गरीबों के खाते में जा सकता है और त्योहार अब शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जा सकते हैं।"

उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में सभी मिथकों को तोड़ते हुए भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की। लगभग चार दशकों में यह केवल दूसरी बार है जब किसी पार्टी ने राज्य में लगातार दो विधानसभा चुनाव जीते हैं। 403 सीटों वाले सदन में भाजपा ने अपने गठबंधन सहयोगियों— अपना दल (सोनीलाल) और निषाद पार्टी के साथ 41.3 प्रतिशत मत हासिल करते हुए 273 सीटों पर जीत दर्ज की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरी बार शपथ लेने के बाद योगी आदित्यनाथ ने उसी दिन राज्य की राजधानी लखनऊ के लोक भवन में मंत्रिमंडल की पहली बैठक की और प्रदेश के कल्याण के लिए कई अहम फैसले भी लिए। ■

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी व श्री ब्रजेश पाठक जी और पूरे मंत्रिमंडल को बधाई। मुझे विश्वास है कि श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में आप सब पूरी तन्मयता से प्रदेश की विकास यात्रा को अनवरत जारी रखते हुए सुशासन व गरीब कल्याण के नये आयाम गढ़ेंगे।

- अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पुनः शपथ लेने के लिए श्री योगी आदित्यनाथ को हार्दिक बधाई। उपमुख्यमंत्री पद पर शपथ लेने वाले श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री ब्रजेश पाठक एवं अन्य सभी मंत्रियों को भी मैं हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह टीम प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में पूरी तरह सफल होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से और योगीजी के नेतृत्व में अगले 5 वर्षों में नए और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण के संकल्प की पूर्ति हो, यही मेरी उन्हें शुभकामनाएं हैं।

- राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री

लगातार दूसरी बार गोवा के मुख्यमंत्री बने प्रमोद सावंत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपाशासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में श्री प्रमोद सावंत ने 28 मार्च, 2022 को लगातार दूसरी बार गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

इस शपथ ग्रहण समारोह में आठ कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिन मंत्रियों ने शपथ ली उनमें वालपोई विधायक श्री विश्वजीत राणे, डाबोलिम विधायक श्री मौविन गोडिन्हो, पोंडा विधायक श्री रवि नाइक, कर्चोरम विधायक श्री नीलेश कैबराल, शिरोडा विधायक श्री सुभाष शिरोडकर, पोरवोरिम विधायक श्री रोहन खौंटे, पणजी विधायक श्री अतानासियो 'बाबुश' मोनसेरेट और प्रोल विधायक श्री गोविंद गौड़े शामिल हैं।

गोवा के राज्यपाल श्री पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने मुख्यमंत्री और नवनियुक्त मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नई भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हजारों लोगों की उपस्थिति में तालेगांव के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित किया गया। गोवा में भाजपा सरकार का यह लगातार तीसरा कार्यकाल है।

विधायक दल के नेता चुने गए डॉ. प्रमोद सावंत

केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर की उपस्थिति में सभी नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक के बाद डॉ. प्रमोद सावंत को विधायक दल के नेता के रूप में चुना गया। श्री तोमर को भाजपा द्वारा गोवा राज्य का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। श्री विश्वजीत राणे ने विधायक दल के नेता के रूप में श्री प्रमोद सावंत के नाम का प्रस्ताव रखा और सभी ने सर्वसम्मति से श्री सावंत को नेता के तौर पर चुना। वह अगले 5 वर्षों के लिए विधायक दल के नेता होंगे।

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद श्री प्रमोद सावंत ने कहा "मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे अगले 5 वर्षों के लिए गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का अवसर दिया। मुझे खुशी है कि गोवा के लोगों ने मुझे स्वीकार किया है। मैं राज्य के

"डॉ. प्रमोद पी. सावंत जी और अन्य सभी को बधाई, जिन्होंने आज गोवा में शपथ ली। मुझे विश्वास है कि यह पूरी टीम गोवा के लोगों को सुशासन देगी और पिछले दशक में किए गए जनहितकारी कार्यों को आगे बढ़ाएगी।"

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में फिर से शपथ लेने के लिए डॉ. प्रमोद सावंत को हार्दिक बधाई। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का गतिशील नेतृत्व और उनके दृष्टिकोण के अनुरूप, भारतीय जनता पार्टी की सरकार गोवा में समृद्धि और विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगी।"

- जगत प्रकाश नड्डा

राष्ट्रीय अध्यक्ष

जीवन परिचय
योगी आदित्यनाथ

- योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून, 1972 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले (पूर्व में उत्तर प्रदेश में) के पंचूर गांव में एक गढ़वाली परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री आनंद सिंह बिष्ट वन अधिकारी थे।
- उन्होंने उत्तराखंड के हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय से गणित में स्नातक की डिग्री हासिल की।
- योगी आदित्यनाथ 26 साल की उम्र में 12वीं लोकसभा में चुनकर आये, वह इस लोकसभा में सबसे कम उम्र के सदस्य थे।
- वे गोरखपुर से लगातार पांच बार (1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 के चुनावों में) संसद के लिए चुने गए।
- उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की भारी जीत के बाद वह 19 मार्च, 2017 को राज्य के 21वें और भाजपा से चौथे मुख्यमंत्री बने।
- योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री के तौर पर 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किया।
- प्रचंड जीत के बाद योगी आदित्यनाथ ने 25 मार्च, 2022 को एक बार फिर लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

जीवन परिचय
प्रमोद सावंत

- श्री प्रमोद सावंत का जन्म 24 अप्रैल, 1973 को श्री पांडुरंग और श्रीमती पद्मिनी सावंत के घर हुआ था।
- उन्होंने कोल्हापुर के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज से आयुर्वेद, चिकित्सा और सर्जरी में स्नातक की डिग्री हालिस की और पुणे, महाराष्ट्र में तिलक विश्वविद्यालय से सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की।
- उन्होंने सनक्वेलिम निर्वाचन क्षेत्र से 2012 का विधानसभा चुनाव जीता।
- 2017 में वह उसी निर्वाचन क्षेत्र से गोवा विधानसभा के लिए फिर से चुने गए और उन्हें गोवा विधानसभा के अध्यक्ष के तौर पर चुना गया।
- श्री मनोहर परिकर के निधन के बाद डॉ. प्रमोद सावंत ने 19 मार्च, 2019 को गोवा के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।
- हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में 20 सीटें जीतकर भाजपा ने गोवा में हैट्रिक लगायी और तीसरी बार सत्ता में वापसी की, जिसके बाद श्री प्रमोद सावंत लगातार दूसरी बार गोवा के मुख्यमंत्री बने।

विकास के लिए काम करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।" शपथ ग्रहण से पहले श्री प्रमोद सावंत ने राजभवन में गोवा के राज्यपाल को मंत्रिपरिषद् की नियुक्ति पत्र भी सौंपा।

गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न हुए गोवा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। इन चुनावों में 20 सीटें जीतकर पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बना रही है। चुनावों में भाजपा को 33.31 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस पार्टी को 23.46 प्रतिशत मत हासिल हुआ। ■

भाजपा ने तन-मन-धन से हिमाचल प्रदेश की सेवा की है : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 9 अप्रैल से 12 अप्रैल, 2022 तक हिमाचल प्रदेश के चार दिवसीय विस्तृत प्रवास पर हैं। इस दौरान श्री नड्डा छोटी-छोटी बैठकें कर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों से संपर्क साध रहे हैं, विकास कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं एवं प्रेस वार्ताओं को संबोधित कर हिमाचल प्रदेश एवं केंद्र की भाजपा सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख कर रहे हैं। हम यहां उनके प्रवास के दो दिनों की रिपोर्ट प्रकाशित कर रहे हैं:

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 9 अप्रैल, 2022 को शिमला में विधानसभा चौक से होटल पीटरहॉफ तक एक भव्य रोड शो किया और इसके पश्चात् उन्होंने पीटरहॉफ में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। श्री नड्डा विधानसभा से पीटरहॉफ तक ओपन जीप में गए। रोड शो के कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा में

कलाकारों ने अपनी कला का शानदार जौहर दिखाया। शिमला पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह एवं हिमाचल प्रदेश के भाजपा प्रभारी श्री अविनाश राय खन्ना सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। लगभग 15 हजार से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों से श्री नड्डा का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से जोश देखते ही बनता था। श्री नड्डा अपने स्वागत से गद्गद और अभिभूत थे।

श्री नड्डा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेरा स्वागत नहीं है बल्कि यह भारतीय जनता पार्टी का स्वागत है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हिमाचल प्रदेश सहित समग्र राष्ट्र के विकास एवं गरीब कल्याण कार्यों का स्वागत है।

श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने विगत पांच वर्षों में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किया है। हिमाचल प्रदेश ने कृषि उत्पादों का वैल्यू एडिशन हुआ है। प्रदेश में 9 फूड पार्क स्थापित हुए हैं। बीते कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश देश के एक फार्मास्युटिकल हब के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। हिमाचल प्रदेश से 12 बड़ी दवा कंपनियों के प्रोडक्ट आज दुनिया भर में जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कोल डैम की परिकल्पना 60 की दशक में की गई थी, लेकिन इस पर कांग्रेस की सरकार ने कोई कार्य नहीं किया। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी की सरकार आने पर इस डैम का शिलान्यास किया गया। कांग्रेस की सरकार आने के बाद फिर से यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में फिर से इस योजना में तेजी आई और प्रधानमंत्रीजी ने कोल डैम हिमाचल प्रदेश को समर्पित किया। लुहरी फेज-1 और लुहरी फेज-2 हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू किया। इसी तरह के अथक प्रयासों से श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी के दिल पर अटल टनल के गड़े पत्थर का निर्माण कार्य भी पूरा हुआ है। इस टनल की आधारशिला श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी ने रखी थी, लेकिन उसके बाद यूपीए सरकार के 10 वर्षों में इस पर कोई प्रगति नहीं हुई। श्रद्धेय अटलजी कहते थे कि इस टनल के आधारशिला का पत्थर, मेरे दिल पर गड़ा पत्थर है, इसका निर्माण कार्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बेशक हमें हिमाचल प्रदेश में जनता की सेवा

करने का समय कम मिला, लेकिन भाजपा ने हिमाचल प्रदेश को सबसे अधिक देने का काम किया है। कांग्रेस ने तो हिमाचल प्रदेश को देने के बजाय, लेने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा हिमाचल प्रदेश का हक छीना है। हिमाचल प्रदेश में बनी भाजपा सरकारों के मुख्यमंत्रियों में से कोई पानी वाले मुख्यमंत्री के रूप में जाना जाता है तो कोई बिजली वाले मुख्यमंत्री के रूप में तो कोई सड़कों का जाल बिछाने वाले सीएम के रूप में। हमें गर्व है कि भाजपा ने तन-मन-धन से हिमाचल प्रदेश की सेवा की है। हिमाचल प्रदेश में जब-जब पैकेज आया है तो वह या तो श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी के शासनकाल में आया या फिर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के समय। अभी तीन महीने पहले ही प्रधानमंत्रीजी ने दिसंबर, 2021 में 11 हजार मेगावाट के लगभग छह पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया है। यह अगले दो-तीन वर्षों में बनकर तैयार हो जाएगा। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत पांच साल में प्रदेश की भाजपा सरकार ने 6,384 किलोमीटर पक्की ऑलवेदर सड़कें बनवायी है।

श्री नड्डा ने कहा कि 400 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन इंस्टीच्यूट आफ मैनेजमेंट संस्थान का निर्माण हो रहा है जो 2024 तक पूरा हो जाएगा। लगभग 14,00 करोड़ रुपये की लागत से एम्स का निर्माण हो रहा है, जो जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में लगभग 1.25 करोड़ लोग 'आयुष्मान भारत' का लाभ उठा रहे हैं। लगभग 1.37 लाख महिलाओं को उज्ज्वला योजना का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राज्य के लगभग 9.33 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। जल जीवन मिशन के तहत हिमाचल प्रदेश के लगभग 8.37 लाख घरों मे नल से जल पहुंचाया गया है। 40 साल में कांग्रेस की सरकारों ने हिमाचल प्रदेश में केवल 8 लाख घरों में नल से जल का कनेक्शन दिया, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में केवल दो वर्षों में ही हिमाचल प्रदेश में 8 लाख नए कनेक्शन दिए जा चुके हैं। पिछले दो वर्षों में इस योजना पर हिमाचल प्रदेश में लगभग 1814 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हम जानते हैं, विपक्ष के पास न नेता है, न नेतृत्व, न नीयत और न ही इच्छाशक्ति। हमारे पास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महान नेतृत्व भी है, नीयत भी, योजनाएं भी, इच्छाशक्ति भी और योजनाओं को पूरा करने की शक्ति भी। हम हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का परचम लहरायेंगे। ■

'हम संकल्प भाव से लगातार जनता की सेवा में जुटे हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 अप्रैल, 2022 को शिमला, हिमाचल प्रदेश में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देवभूमि हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा किये गए विकास कार्यों की विस्तार से चर्चा करते हुए हिमाचल प्रदेश को उसके अधिकार से महरूम रखने के लिए कांग्रेस पार्टी पर जोरदार हमला बोला। प्रेस वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप, हिमाचल प्रदेश के प्रभारी श्री अविनाश राय खन्ना और सह-प्रभारी श्री संजय टंडन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि जब-जब केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार रही है, तब-तब हिमाचल प्रदेश विकास की मुख्यधारा में बहुत तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन जब भी केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही है तो हिमाचल प्रदेश के हितों का हनन हुआ है। कांग्रेस की सरकार ने तो हिमाचल प्रदेश से विशेष राज्य का दर्जा तक हटा दिया था। इतना ही नहीं, स्पेशल स्टेटस के तहत केंद्रीय योजना में 90:10 के रेशियो को भी कांग्रेस की सरकार ने बदलकर 60:40 कर दिया था, वह भी तब जब केंद्र और हिमाचल प्रदेश, दोनों जगह कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस की सरकार ने देश में भी अलग-अलग राज्यों के साथ भेदभाव किया। 2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की वीरभद्र सरकार थी, उन्होंने कोई डिमांड भी नहीं की लेकिन प्रधानमंत्रीजी ने पुनः हिमाचल प्रदेश का विशेष राज्य का दर्जा बहाल कर दिया और केन्द्रीय योजनाओं में 90:10 का फ़ॉर्मूला भी पुनः लागू कर दिया। इससे हिमाचल प्रदेश पर वित्तीय बोझ भी कम हुआ है जिसका सीधा लाभ राज्य के गरीबों और किसानों को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि जब केंद्र में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी की सरकार थी और हिमाचल प्रदेश में श्री प्रेम कुमार धूमल की सरकार थी, तब श्रद्धेय अटल सरकार ने हिमाचल प्रदेश को 10 वर्षों के लिए इंडस्ट्रियल पैकेज मिला था। यदि केंद्र में हमारी सरकार रहती तो इस इंडस्ट्रियल पैकेज को फिर से एक्सटेंशन दिया जाता, लेकिन कांग्रेस की यूपीए सरकार आने के बाद 8वें वर्ष में ही हिमाचल प्रदेश को मिल रहे इंडस्ट्रियल पैकेज को विदड्रा कर दिया गया।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकारों का इंटेशन है लोगों की सेवा करके उनके जीवन स्तर में बदलाव लाना। सत्ता हमारा माध्यम है, लक्ष्य नहीं। हम सेवा भाव से आये हैं, इसलिए हम संकल्प भाव से लगातार जनता की सेवा में जुटे हैं। मैं हिमाचल प्रदेश की जनता से विनम्र निवेदन करता हूं कि भारतीय जनता पार्टी पर आपका आशीर्वाद इसी तरह से बना रहे, ताकि हम और लगन एवं ताकत से आपकी सेवा में जुटे रहें।

पश्चिम बंगाल हिंसा पर गठित फैक्ट फाइंडिंग टीम ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपी अपनी रिपोर्ट

भारतीय जनता पार्टी ने रामपुरहाट, बीरभूम में हो रही हिंसक घटनाओं पर गहरी पीड़ा और दुःख व्यक्त किया है। पार्टी ने हिंसक घटनाओं में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ ही पीड़ितों को राहत देने और पश्चिम बंगाल सरकार से क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत करने की मांग की।

30 मार्च, 2022 को जांच रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने विषम परिस्थितियों में फैक्ट फाइंडिंग टीम द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर श्री नड्डा ने पार्टी के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि हमें जाति, पंथ और समुदाय के आधार पर भेदभाव किये बिना सच्चाई, न्याय और जनता के समग्र कल्याण के लिए काम करना है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सामूहिक नरसंहार स्थल से नमूने और साक्ष्य एकत्र करने के लिए केंद्रीय फोरेंसिक प्रयोगशाला को जिम्मेदारी सौंपने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय का धन्यवाद दिया। उन्होंने जिला न्यायाधीश द्वारा घटना स्थल पर सीसीटीवी लगाने, गवाहों की सुरक्षा और पूरी घटना की सीबीआई जांच कराने वाले आदेश को बरकरार रखने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय को धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि भाजपा द्वारा गठित फैक्ट फाइंडिंग टीम ने भी ऐसी ही मांग की थी।

इस संबंध में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पांच सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम का घटनास्थल का दौरा करने, सभी साक्ष्य एकत्र करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने के लिए गठित किया था।

समिति के सदस्य

1. श्री ब्रजलाल, सांसद, राज्यसभा एवं पूर्व, डीजीपी, उत्तर प्रदेश
2. श्री सत्यपाल सिंह, सांसद, लोकसभा एवं पूर्व पुलिस आयुक्त, मुंबई
3. श्री के.सी. राममूर्ति, सांसद, राज्यसभा एवं पूर्व आईपीएस, कर्नाटक
4. श्री सुकांत मजूमदार, सांसद, लोकसभा एवं प्रदेश अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल, भाजपा
5. श्रीमती भारती घोष, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व आईपीएस, पश्चिम बंगाल

बगटूई नरसंहार पर फैक्ट फाइंडिंग टीम की रिपोर्ट के प्रमुख बिंदुः

1. तृणमूल कांग्रेस के राज में माफिया, पुलिस और राजनीतिक नेतृत्व की मिलीभगत से पश्चिम बंगाल पर शासन कर रहे हैं। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।
2. कानून का पालन करने वाली पश्चिम बंगाल की जनता का विश्वास टीएमसी सरकार और शासन से उठ चुका है, क्योंकि यहां अधिकारी स्वयं टीएमसी का हिस्सा बन गये हैं।
3. बगटुई गांव में हुआ नरसंहार राज्य प्रायोजित जबरन वसूली, गुंडा टैक्स, कट मनी, टोलबाजी को बढ़ावा देने और इसके अवैध लाभार्थियों के बीच प्रतिद्वंद्विता का परिणाम है।
4. भाजपा की फैक्ट फाइंडिंग टीम के कोलकाता पहुंचने के बाद ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने घटनास्थल का दौरा करने का फैसला किया।
5. 'मजबूर' मुख्यमंत्री के दौरे को बहाना बनाते हुए फैक्ट फाइंडिंग टीम को अपना काम करने से रोक दिया गया और टीएमसी के गुंडों ने इस जांच दल के कार्य में व्यवधान पैदा करने का काम किया, जो फैक्ट फाइंडिंग टीम पर हमला करने पर आमादा थे।
6. घटना स्थल का दौरा करने के दौरान फैक्ट फाइंडिंग टीम पर हमला हुआ, इसको लेकर पश्चिम बंगाल पुलिस के किसी अधिकारी/कांस्टेबल ने कोई कदम नहीं उठाया, इस दौरान कोई भी फैक्ट फाइंडिंग टीम के बचाव में आगे नहीं आया। डीजीपी और अन्य अधिकारियों से संपर्क करने के हमारे प्रयास विफल रहे।
7. पता चला है कि एसडीपीओ और पुलिस निरीक्षक घटनास्थल के पास ही मौजूद थे, लेकिन सूचना दिए जाने पर भी उन्होंने मौके का दौरा करने की कोई पहल नहीं की। इसके अलावा इन अधिकारियों ने आगे बुझाने जा रही दमकल की गाड़ियों को भी घटनास्थल पर पहुंचने से रोका। उनके समय पर हस्तक्षेप से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता था।
8. स्थानीय निवासियों ने अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा को देखते हुए, अपने घरों को छोड़कर भागने पर मजबूर हो गये। इसे ध्यान में रखते हुए यह अनुशंसा की जाती है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला एवं बाल अधिकार आयोग बगटूई गांव का दौरा करे और गांव में लोगों की उनके घरों में शीघ्र वापसी के लिए विश्वास के माहौल का निर्माण करें।
9. हम दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं कि पश्चिम बंगाल में सेवारत अखिल भारतीय सेवा अधिकारियों को उनके संवैधानिक दायित्वों का एहसास कराया जाए और केंद्र उन्हें कड़ी चेतावनी दे। ■

भाजयुमो ने पूरे देश में मनाया भाजपा स्थापना दिवस

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने 6 अप्रैल, 2022 को देश भर के 900 से अधिक जिलों और बूथों पर भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया। भाजयुमो के हजारों कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रव्यापी उत्सव के रूप में अद्वितीय ढंग से 42वां भाजपा स्थापना दिवस मनाया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने युवा शक्ति को दर्शाते हुए बाइक रैली का आयोजन किया और आम जनता के साथ इस अवसर को मनाने के लिए जुलूस भी निकाला। भाजयुमो कार्यकर्ताओं द्वारा बूथ स्तर तक भाजपा के झंडे फहराए गए और भाजयुमो के युवा सदस्यों ने 'सम्मान सम्मेलन' का आयोजन किया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ भाजपा और जनसंघ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया, जिन्होंने देश और उसके लोगों की सेवा की है। भाजयुमो ने ऐसे वरिष्ठ नेताओं को सम्मान दिया, जिन्होंने आपातकाल के खिलाफ लड़ने, समाज के सभी वर्गों में पार्टी के विस्तार और विकास को एक जन आंदोलन बनाने के लिए काम करते हुए भाजपा संगठन के लिए सांस्कृतिक और राष्ट्रीय गौरव की स्थापना करने का दम रखा और कीर्तिमान अर्जित किया।

भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या भाजयुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए गुजरात प्रवास पर रहे। श्री सूर्या ने कहा कि जब भाजपा शुरू हुई थी, उसके पास कोई कार्यकर्ता नहीं था, कोई पैसा नहीं था, कोई जनता का समर्थन नहीं था, कोई पार्टी कार्यालय नहीं था। इसकी केवल अपनी विचारधारा थी। 42 साल बाद भी यह विचारधारा बरकरार है। भाजपा भारत में एकमात्र राजनीतिक दल है जिसके कार्यकर्ताओं में सत्ता को भोगने के लालच नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा है। श्री सूर्या ने युवा कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ पदाधिकारियों के कार्यों और प्रयासों से प्रेरणा लेने का भी आग्रह किया।

भाजयुमो की भारत दर्शन यात्रा का शुभारंभ

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 1 अप्रैल, 2022 को बेंगलुरु में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की भारत दर्शन सुशासन यात्रा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या और अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारत दर्शन के माध्यम से भाजयुमो कार्यकर्ताओं को देश की सांस्कृतिक विविधता, परंपराओं और ऐतिहासिक समृद्धता से परिचित कराया जाना है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं को देश के विभिन्न राज्यों की सबसे बड़ी विकास परियोजनाओं का दौरा करने, ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को देखने और स्टार्टअप, उद्यमियों, कुटीर उद्योगों और किसान संगठनों के साथ चर्चा करने का अवसर मिलेगा। इससे भाजयुमो कार्यकर्ताओं को हमारे देश की विविधता में एकता का अनुभव करने और समझने में मदद मिलेगी। भारत दर्शन पर गए युवा मोर्चा के पदाधिकारी मुख्य रूप से मंडल और जिला स्तर से हैं।

कार्यक्रम के उद्घाटन के तुरंत बाद श्री सूर्या ने कहा, ''मैं श्री अमित शाह जी को कार्यक्रम का उद्घाटन करने और देश की सेवा करने हेतु प्रेरित करने, भाजयुमो कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद देता हूं। यह कार्यक्रम उनके द्वारा शुरू किया गया है, जिनके हाथों में भारत सर्वाधिक सुरक्षित है और देश के सभी हिस्सों को वास्तविकता में इस ऐतिहासिक सभ्यता में एकीकृत किया गया है।''

भारत दर्शन बेंगलुरु से 1 अप्रैल से शुरू होकर 4 दिनों तक चलेगा। मुख्य रूप से उत्तर और पूर्वोत्तर के भाजयुमो कार्यकर्ता इस भारत दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति का अनुभव प्राप्त करेंगे। वे हम्पी जाएंगे और जीवंत विजयनगर राजवंश की एक झलक पाएंगे। वे एचएएल का भी दौरा करेंगे और तेजस विमान के उत्पादन को देखेंगे। नैसकॉम और ओला की निर्धारित यात्राओं के साथ ये युवा प्रतिनिधि शहर की स्टार्टअप संस्कृति को समझेंगे और अपने अनुभव से प्रेरणा लेंगे। अंत में, वे तुमकुरु में देश के दूसरे सबसे बड़े सौर संयंत्र, पावागड़ा सोलर पार्क की यात्रा के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हरित भविष्य के स्वप्न को आगे बढ़ाएंगे। ■

भाजपा मनाएगी सामाजिक न्याय पखवाड़ा

भारतीय जनता पार्टी ने 7 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2022 तक देशभर में सामाजिक न्याय पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के दिशानिर्देश पर पार्टी कार्यकर्ता इस पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व सांसद श्री अरुण कुमार सिंह ने 05 अप्रैल, 2022 को भाजपा केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित कर उपर्युक्त जानकारी दी।

कार्यक्रम रूपरेखा

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के गरीबों, शोषितों, वंचितों, पिछड़ों एवं अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत इनके उत्थान का काम हुआ है और ये सभी प्रधानमंत्रीजी को अपने मसीहा के रूप में देखते हैं। अतः सामाजिक न्याय पखवाड़ा के माध्यम से केंद्र सरकार के जन-कल्याणकारी योजनाओं को मंडल और जिला स्तर तक ले जाने का काम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता निरंतर 15 दिनों तक करेंगे। इन 15 दिनों में हर एक दिन किसी एक कार्यक्रम/योजना के लिए समर्पित रहेगा।

- 7 अप्रैल आयुष्मान भारत योजना कार्यक्रम के लिए समर्पित रहेगा। हम सभी को ज्ञात है कि वर्तमान में देशभर में 8,683 पीएम जन औषधि केंद्र हैं, जहां 50-90 फीसदी सस्ती दवाइयां मिलती हैं। इन जन औषधि केन्द्रों पर भाजपा कार्यकर्ता जाकर लोगों से बातचीत कर जन-जागरण का काम करेंगे और जिले में प्रेस वार्ता कर प्रधानमंत्रीजी के प्रति धन्यवाद भी व्यक्त करेंगे।

- 8 अप्रैल प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए समर्पित रहेगा और भाजपा कार्यकर्ता लाभार्थियों से मिलकर इस योजना से सम्बंधित अधिक से अधिक जानकारी देने का काम करेंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देशभर में 2 करोड़ से अधिक मकान बन चुके हैं और 2022-23 तक 80 लाख मकान इस योजना के तहत और बनाये जाने हैं। आज एक आम गरीब आदमी एक ऐसे अच्छे मकान में रह रहा है जिसमें शौचालय और बिजली समेत सब प्रकार की सुविधाएं हैं और इसके लिए ये प्रधानमंत्रीजी के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित कर रहे हैं।

- 9 अप्रैल का दिन, नल से जल हर घर जल कार्यक्रम के लिए समर्पित रहेगा। नल से जल और हर घर जल, यह पहले कभी सपना लगता था कि क्या हर व्यक्ति को नल से शुद्ध जल मिल पायेगा? प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त] 2019 में 'जल जीवन मिशन' की शुरुआत की और इसके माध्यम से 6 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचा चुका है। वर्ष 2022 में भी यह 3 करोड़ 80 लाख घरों में नल से जल पहुंचाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिन नल पूजन का भी कार्यक्रम रहेगा और यह संकल्प लिया जाएगा कि 2024 तक हर घर नल से शुद्ध जल पहुंचे। साथ ही, नदी, तालाब और कुंए की स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम भी इस दिन रहेगा।

> **सामाजिक न्याय पखवाड़ा के माध्यम से केंद्र सरकार के जन-कल्याणकारी योजनाओं को मंडल और जिला स्तर तक ले जाने का काम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता निरंतर 15 दिनों तक करेंगे**

- 10 अप्रैल को प्रधानमंत्री किसान योजना के लिए समर्पित रहेगा। किसानों के बैंक खातों में सम्मान निधि पहुंचना बहुत बड़ी बात है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार ने किया, जैसे— प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, नीम कोटेड यूरिया इत्यादि योजनाओं की विशेषताएं लोगों और किसानों तक ले जाने का काम इस दिन भाजपा कार्यकर्ता करेंगे

जिससे जन-जागरण भी होगा और किसान भाई इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ भी ले सकेंगे।

- 11 अप्रैल ज्योतिबा फूले दिवस के रूप में मनाया जाएगा जिसके तहत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, जैसे— ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि करना, होस्टलों में जाना और लोगों से संपर्क करने का कार्यक्रम रहेगा।

- 12 अप्रैल को टीकाकरण दिवस के रूप में मनाया जाएगा। देश में कोविड-19 वैक्सीन के 185 करोड़ डोज मुफ्त में लोगों को दिया गया है। भाजपा कार्यकर्ता उन लोगों से संपर्क करेंगे जिन लोगों ने कोविड-19 का वैक्सीन नहीं लिया, उनसे संपर्क कर उन्हें टीका केन्द्रों पर ले जाकर उनका टीकाकरण कराने का काम किया जाएगा। उनके लिए फल जूस आदि की व्यवस्था भी करेंगे। भाजपा कार्यकर्ता इतने बड़े वैक्सीनेशन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद भी देंगे, क्योंकि विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में हुआ है।

- विश्व की सबसे बड़ी खाद्यान्न योजना भारत में चल रही है। 13 अप्रैल को 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के नाम से पूरे देशभर में कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के कारण मार्च 2020 से गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की गयी थी जो आगामी सितम्बर तक बढ़ा दी गयी है। 25 महीने तक चलने वाली इस योजना से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न देने का काम किया जा रहा है। इतनी बड़ी खाद्यान्न योजना विश्व में कहीं भी नहीं चलाई गई है। इस पर 3.44 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। भाजपा कार्यकर्ता इन सबकी जानकारी लोगों को देंगे, वे पीडीएस केन्द्रों पर भी जाकर लोगों से बातचीत करेंगे और उनसे फीडबैक भी लेंगे।

विश्व की सबसे बड़ी खाद्यान्न योजना भारत में चल रही है। 13 अप्रैल को 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के नाम से पूरे देशभर में कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के कारण मार्च, 2020 से गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की गयी थी जो आगामी सितम्बर तक बढ़ा दी गयी है। 25 महीने तक चलने वाली इस योजना से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न देने का काम किया जा रहा है

- अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है। भारतीय जनता पार्टी अंबेडकर जयंती पर प्रतिवर्ष बूथ स्तर तक कार्यक्रम करती है। भाजपा कार्यकर्ता हर बूथ पर बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि करेंगे, शोषित, वंचित लोगों के बीच जाकर उनसे बातचीत कर सेवा का काम करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंच तीर्थ सहित अन्य कार्यक्रम बाबा साहेब के सम्मान में किए हैं, भाजपा कार्यकर्ता उनकी भी चर्चा लोगों से मिलकर करेंगे।

- 15 अप्रैल को अनुसूचित जनजाति कल्याण के लिए जो काम हुए है जैसे वन-धन योजना, उसकी जानकारी देना, समाज में विशिष्ट काम करने वाले अनुसूचित जनजाति के लोगों को सम्मानित करना, आदि कार्यक्रम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे। साथ ही, भाजपा कार्यकर्ता केन्द्र सरकार द्वारा अनसुचित जनजाति के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रचार प्रसार व्यापक रूप से करेंगे।

- 16 अप्रैल को असंगठित श्रमिकों के लिए कार्यक्रम करेंगे। भाजपा कार्यकर्ता उन श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन कराने का काम करेंगे जिनका अभी तक रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। 60 साल से अधिक उम्र वाले 46 लाख 52 हजार लोग जिन्हें 3 हजार रुपए का माह पेंशन मिल रहा है, इसकी भी जानकारी लोगों को देंगे।

- 17 अप्रैल को वित्तीय समावेश गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में लालकिले के प्राचीर से कहा था कि देश के हर गरीब, हर नागरिक का वित्तीय समावेश सुनिश्चित करना है। हर व्यक्ति का एकाउंट खुलना जरूरी है। लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके बैंक एकाउन्ट में पहुंचना जरूरी है। आज 44 करोड़ 88 लाख जनधन बैंक खाता खुल चुके हैं। इसका अर्थ है कि कांग्रेस के शासन काल में इन लोगों का वित्तीय समावेशन था ही नहीं। इसमें 57 प्रतिशत बैंक खाता महिलाओं का खुला है। भाजपा कार्यकर्ता उन लोगों से मिलकर अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना, आदि उन सब योजनाओं के बारे में बातचीत करेंगे और प्रचार प्रसार करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग उन योजनाओं से लाभान्वित हो सके।

- 18 अप्रैल को स्वच्छ भारत मिशन का अभियान चलाया जाएगा। उस दिन जहां भी प्रतिमा है उसके आसपास साफ सफाई करना, नदी, तलाब का स्वच्छता करना, बाउड़ी के स्वच्छता करना आदि स्वच्छता से जुड़े अनेक काम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे।

- 19 अप्रैल को पोषण अभियान चलाया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में कहीं न कहीं आंगनबाड़ी केन्द्रों पर जाकर आंगनबाड़ी केन्द्रों के कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और पोषण अभियान के लिए जनजागरूक करने का काम होगा।

- 20 अप्रैल को आजादी के अमृत महोत्सव से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम करेंगे। ■

मार्च, 2022 में 1,42,095 करोड़ रुपये का सर्वाधिक जीएसटी संग्रह हुआ

वित्त वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही के लिए औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह 1.38 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही में औसत मासिक संग्रह क्रमशः 1.10 लाख करोड़ रुपये, 1.15 लाख करोड़ रुपये और 1.30 लाख करोड़ रुपये रहा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक अप्रैल को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मार्च, 2022 महीने में एकत्र सकल जीएसटी राजस्व 1,42,095 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सीजीएसटी 25,830 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 32,378 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 74,470 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 39,131 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 9,417 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 981 करोड़ रुपये सहित) है। मार्च, 2022 में कुल सकल जीएसटी संग्रह जनवरी, 2022 के महीने में एकत्र किए गए 1,40,986 करोड़ रुपये के पूर्व के रिकॉर्ड को तोड़कर अब तक का सबसे अधिक है।

केंद्र सरकार ने नियमित भुगतान के रूप में आईजीएसटी से 29,816 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 25,032 करोड़ रुपये एसजीएसटी का निपटारा किया। इसके अलावा, केन्द्र ने इस महीने में केन्द्र और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच 50:50 के अनुपात में तदर्थ आधार पर आईजीएसटी के 20,000 करोड़ रुपये का निपटारा किया है। मार्च, 2022 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व नियमित और तदर्थ निपटान के बाद सीजीएसटी के लिए 65,646 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 67,410 करोड़ रुपये है। केन्द्र ने महीने के दौरान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 18,252 करोड़ रुपये का जीएसटी मुआवजा भी जारी किया।

मार्च, 2022 के महीने में राजस्व पिछले साल के इसी महीने में जीएसटी राजस्व से 15% अधिक और मार्च, 2020 में जीएसटी राजस्व से 46% अधिक है। महीने के दौरान माल के आयात से राजस्व 25% अधिक था और राजस्व घरेलू लेन-देन से (सेवाओं के आयात सहित) पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों

से राजस्व की तुलना में 11% अधिक है। जनवरी, 2022 (6.88 करोड़) के महीने में ई-वे बिलों की तुलना में छोटा महीना होने के बावजूद फरवरी, 2022 के महीने में ई-वे बिलों की कुल संख्या 6.91 करोड़ है, जो तेज गति से व्यावसायिक गतिविधि की वसूली का संकेत देता है।

वित्त वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही के लिए औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह 1.38 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही में औसत मासिक संग्रह क्रमशः 1.10 लाख करोड़ रुपये, 1.15 लाख करोड़ रुपये और 1.30 लाख करोड़ रुपये रहा। आर्थिक सुधार के साथ-साथ कर चोरी-रोधी कार्यों, विशेष रूप से फर्जी बिल बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई, जीएसटी को बढ़ाने में योगदान दे रही है। राजस्व में सुधार क्रम बदलने के ढांचे को ठीक करने के लिए परिषद् द्वारा किए गए विभिन्न दर युक्तिकरण उपायों के कारण भी हुआ है। ■

'एमएसएमई' को बढ़ावा देने के लिए 6,062.45 करोड़ रुपये की नई योजना को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 30 मार्च को 'एमएसएमई के प्रदर्शन को बेहतर और तेज करने (आरएएमपी या रैम्प)' पर 808 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 6,062.45 करोड़ रुपये के विश्व बैंक से सहायता प्राप्त कार्यक्रम को मंजूरी दी। आरएएमपी या रैम्प एक नई योजना है और इसकी शुरुआत वित्त वर्ष 2022-23 में होगी।

इस योजना के लिए कुल परिव्यय 6,062.45 करोड़ रुपये है, जिनमें से 3750 करोड़ रुपये या 500 मिलियन डॉलर विश्व बैंक से ऋण के रूप में प्राप्त होंगे और शेष 2312.45 करोड़ रुपये या 308 मिलियन डॉलर का इंतजाम भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

रैम्प योजना देश भर में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन सभी 63 मिलियन उद्यमों को लाभान्वित करेगी, जो सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की अर्हता रखते हैं। कुल 5,55,000 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने की दृष्टि से विशेष रूप से लक्षित किया गया है। इसके अलावा, इस योजना के तहत सेवा क्षेत्रों को शामिल करने के लिए लक्षित बाजार का विस्तार करने और लगभग 70,500 महिला एमएसएमई की वृद्धि करने की परिकल्पना की गई है। ■

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि 6 माह और बढ़ाने को मिली मंजूरी

इस कदम से समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के लोग लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय और 1,000 एलएमटी से भी अधिक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया

समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के प्रति चिंता एवं संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 26 मार्च को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम-जीकेएवाई) की अवधि छह माह और यानी सितंबर, 2022 (चरण VI) तक बढ़ा दी है।

पीएम-जीकेएवाई का चरण-V मार्च, 2022 में समाप्त होने वाला था। उल्लेखनीय है कि पीएम-जीकेएवाई को अप्रैल, 2020 से ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के रूप में लागू किया जाता रहा है। केंद्र सरकार ने अब तक लगभग 2.60 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं एवं अगले 6 महीनों में सितंबर, 2022 तक 80,000 करोड़ रुपये और खर्च किए जाएंगे, जिससे पीएम-जीकेएवाई के तहत कुल खर्च लगभग 3.40 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को छू जाएगा।

इस योजना के तहत पूरे भारत में लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को कवर किया जाएगा और पहले की तरह ही इस योजना के लिए आवश्यक धनराशि का इंतजाम पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा ही किया जाएगा।

भले ही कोविड-19 महामारी का प्रकोप काफी हद तक कम हो गया हो और देश में आर्थिक गतिविधियां निरंतर तेज गति पकड़ रही हों, लेकिन पीएम-जीकेएवाई की अवधि बढ़ाने से यह सुनिश्चित होगा कि आर्थिक रिकवरी के मौजूदा समय में कोई भी गरीब परिवार भूखा सोने पर विवश न हो।

विस्तारित पीएम-जीकेएवाई के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को एनएफएसए के तहत मिल रहे खाद्यान्न के अपने सामान्य कोटे के अलावा प्रति-व्यक्ति प्रति-माह अतिरिक्त 5 किलो निःशुल्क राशन मिलेगा। इसका मतलब है कि प्रत्येक गरीब परिवार को सामान्य मात्रा से लगभग दोगुना राशन मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पीएम-जीकेएवाई के तहत चरण V तक लगभग 759 एलएमटी खाद्यान्न निःशुल्क आवंटित किया था। इस विस्तार (चरण VI) के तहत 244 एलएमटी निःशुल्क खाद्यान्न के साथ पीएम-जीकेएवाई के तहत निःशुल्क खाद्यान्न का कुल आवंटन अब 1,003 एलएमटी हो गया है।

देश भर में लगभग 5 लाख राशन की दुकानों पर लागू 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' (ओएनओआरसी) योजना के माध्यम से किसी भी प्रवासी श्रमिक या लाभार्थी द्वारा निःशुल्क राशन का लाभ उठाया जा सकता है। अब तक, इस योजना के तहत हुए 61 करोड़ से अधिक लेन-देन के जरिये लाभार्थियों को उनके घरों से दूर लाभ मिला है।

सदी की सबसे भीषण महामारी के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा किसानों को अब तक के सबसे अधिक भुगतान के साथ अनाजों की अब तक की सबसे अधिक सरकारी खरीद के कारण यह संभव हुआ है। कृषि क्षेत्र में इस रिकॉर्ड उत्पादन के लिए भारतीय किसान, यानी 'अन्नदाता'- बधाई के पात्र हैं। ■

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक लगाए गए 185.20 करोड़ से अधिक टीके

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज सात अप्रैल की सुबह 7 बजे तक (अंतिम रिपोर्ट) 185.20 करोड़ से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,23,20,478 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च, 2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 2.04 करोड़ से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई।

लगातार गिरावट दर्ज करते हुए भारत में सक्रिय मामले कम होकर 11,639 रह गए। सक्रिय मामले कुल मामलों के 0.03 प्रतिशत हैं। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है। महामारी की शुरुआत के बाद से स्वस्थ होने वाले मरीजों की कुल संख्या 4,24,98,789 हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत में अब तक कुल 79.25 करोड़ से अधिक (79,25,09,451) जांच की गई है।

साप्ताहिक और दैनिक पुष्टि वाले मामलों की दर में भी लगातार गिरावट दर्ज की गई है। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.22 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर भी 0.21 प्रतिशत है। ■

अंतरराज्यीय सीमा विवाद के निपटारे हेतु असम और मेघालय के बीच हुए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर

असम और मेघालय के बीच 12 में से 6 मुद्दों पर समझौता हुआ और इससे दोनों राज्यों के बीच लगभग 70 प्रतिशत सीमा विवादमुक्त हो गई

असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कोनराड के. संगमा ने असम और मेघालय राज्यों के बीच अंतरराज्यीय सीमा विवाद के कुल बारह क्षेत्रों में से छह क्षेत्रों के विवाद के निपटारे के लिए 29 मार्च को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शांतिपूर्ण और समृद्ध पूर्वोत्तर के विजन की पूर्ति की दिशा में यह एक और मील का पत्थर है।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन एक विवादमुक्त नॉर्थ-ईस्ट के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तब से मोदी जी ने नॉर्थ-ईस्ट की शांति प्रक्रिया, विकास, समृद्धि और सांस्कृतिक धरोहर के संवर्धन लिए अनेक प्रयास किए हैं, जिसके हम सभी साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में गृह मंत्री बनने के बाद जब मैं प्रधानमंत्री से मिलने गया तो उन्होंने इन चारों क्षेत्रों में सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि 2019 से 2022 तक का ये सफ़र एक बहुत बड़ा माइलस्टोन हासिल करने में सफल रहा है।

श्री शाह ने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने उग्रवाद को समाप्त करने और पूर्वोत्तर के राज्यों में स्थायी शांति के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में उग्रवादियों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए अगस्त, 2019 में NLFT (SD) समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने त्रिपुरा को एक शांत राज्य बनाने में बहुत बड़ा योगदान दिया। फिर 23 साल पुराने ब्रू-रियांग शरणार्थी संकट को हमेशा के लिए हल करने के लिए 16 जनवरी, 2020 को एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अंतर्गत 37,000 से ज्यादा आदिवासी भाई-बहन जो कठिन जीवन जी रहे थे, वो आज सम्मानपूर्वक जीवन जी रहे हैं।

श्री शाह ने कहा कि 27 जनवरी, 2020 को हस्ताक्षरित बोडो समझौता किया गया, जिसने असम के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए 50 साल पुराने बोडो मुद्दे को हल किया। असम और भारत सरकार ने इस समझौते की 95 प्रतिशत शर्तों को पूरा कर लिया है और आज बोडोलैंड एक शांत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है और विकास के रास्ते पर अग्रसर है। 4 सितंबर, 2021 को असम के कार्बी क्षेत्रों में लंबे समय से चले आ रहे विवाद को हल करने के लिए कार्बी-आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अंतर्गत लगभग 1000 से अधिक हथियारबंद कैडर आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज 50 साल पुराना एक और विवाद इस समझौते के साथ हल होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में आज असम और मेघालय के बीच 12 में से 6 मुद्दों पर समझौता हुआ है और दोनों राज्यों के बीच लगभग 70 प्रतिशत सीमा विवादमुक्त हो गई है।

श्री शाह ने कहा कि जब तक राज्यों के बीच विवाद नहीं सुलझते, सशस्त्र समूहों का सरेंडर नहीं होता, तब तक नार्थ-ईस्ट का विकास संभव नहीं है। उन्होंने दोनों

राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अधिकारियों को प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्र सरकार की तरफ़ से धन्यवाद दिया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शांत और समृद्ध उत्तर-पूर्व के स्वप्न को साकार करने के लिए आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रयास करने चाहिएं। उन्होंने कहा कि 2019 से 2022 तक 6900 से ज्यादा हथियारबंद कैडर ने आत्मसमर्पण किया और लगभग 4800 से ज्यादा हथियार प्रशासन के सामने सरेंडर किए गए। ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उत्तर-पूर्व को अष्टलक्ष्मी कहते हैं और इन प्रयासों से पूर्वोत्तर भारत की मुख्यधारा में तो शामिल होगा ही, साथ ही देश के विकास का ड्राइविंग फ़ोर्स भी बनेगा।

असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड संगमा ने दशकों से लंबित इस समस्या का समाधान करवाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। ■

नागालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम के तहत दशकों बाद कम हुए अशांत क्षेत्र

असम के 23 जिलों को पूर्ण रूप से और 1 जिले को आंशिक रूप से 'आफ्स्पा' के प्रभाव से हटाया जा रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों से उत्तर-पूर्वी राज्यों में ऐसे अनेक कदम उठाये गए हैं जिससे सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और विकास में तेजी आयी है। वर्ष 2014 की तुलना में वर्ष 2021 में उग्रवादी घटनाओं में 74% की कमी आई है। उसी प्रकार इस अवधि में सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की मृत्यु में भी क्रमशः 60% और 84% की कमी आई है।

केंद्र सरकार के लगातार प्रयासों से तथा पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में सुधार के परिणामस्वरूप भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम के तहत दशकों बाद नागालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (AFSPA-आफ्स्पा) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम किया है।

दरअसल, प्रधानमंत्री श्री मोदी पूरे उत्तर-पूर्व क्षेत्र को उग्रवाद मुक्त करने के लिए संकल्पित हैं। इस संबंध में केंद्र सरकार समय-समय पर राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ संवाद करती रही है। मोदी सरकार द्वारा सुरक्षा स्थिति में सुधार के कारण आफ्स्पा के अंतर्गत अशांत क्षेत्र अधिसूचना को त्रिपुरा से 2015 में और मेघालय से 2018 में पूरी तरह से हटा लिया गया।

संपूर्ण असम में वर्ष 1990 से अशांत क्षेत्र अधिसूचना लागू है। 2014 में मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय सुधार के कारण अब 01 अप्रैल, 2022 से असम के 23 जिलों को पूर्ण रूप से और 1 जिले को आंशिक रूप से 'आफ्स्पा' के प्रभाव से हटाया जा रहा है।

संपूर्ण मणिपुर (इंफाल नगर पालिका क्षेत्र को छोड़कर) में अशांत क्षेत्र घोषणा वर्ष 2004 से चल रही है। मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 6 जिलों के 15 पुलिस स्टेशन क्षेत्र को 01.04.2022 से अशांत क्षेत्र अधिसूचना से बाहर किया जा रहा है।

> **केंद्र सरकार के लगातार प्रयासों से तथा पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में सुधार के परिणामस्वरूप भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम के तहत दशकों बाद नागालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (AFSPA-आफ्स्पा) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम किया है। दरअसल, प्रधानमंत्री श्री मोदी पूरे उत्तर-पूर्व क्षेत्र को उग्रवाद मुक्त करने के लिए संकल्पित हैं, इस संबंध में केंद्र सरकार समय-समय पर राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ संवाद करती रही है**

अरुणाचल प्रदेश में 2015 में 3 जिले, अरुणाचल प्रदेश की असम से लगने वाली 20 किमी. की पट्टी और 9 अन्य जिलों में 16 पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आफ्स्पा लागू था, जो धीरे-धीरे कम करते हुए वर्तमान में सिर्फ 3 जिलों में और 1 अन्य जिले के 2 पुलिस स्टेशन क्षेत्र में लागू है।

सम्पूर्ण नागालैण्ड में अशान्त क्षेत्र अधिसूचना वर्ष 1995 से लागू है। केन्द्र सरकार ने इस सन्दर्भ में गठित कमेटी की चरणबद्ध तरीके से आफ्स्पा हटाने की सिफारिश को मान लिया है। नागालैंड में 01.04.2022 से 7 जिलों के 15 पुलिस स्टेशनों से अशांत क्षेत्र अधिसूचना को हटाया जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी की अटूट प्रतिबद्धता के कारण हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षित था, अब शांति, समृद्धि और अभूतपूर्व विकास के एक नए युग का गवाह बन रहा है, इसके लिए मोदी जी का धन्यवाद करता हूं। साथ ही, इस महत्वपूर्ण अवसर पर पूर्वोत्तर के लोगों को बधाई देता हूं। ■

केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ाया

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 30 मार्च को महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) को तीन प्रतिशत बढ़ाकर 34 प्रतिशत कर दिया। इससे केंद्र सरकार के 1.16 करोड़ कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह वृद्धि एक जनवरी, 2022 से प्रभावी होगी।

विज्ञप्ति में कहा गया कि यह वृद्धि सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर स्वीकृत फॉर्मूले के अनुरूप है। महंगाई भत्ते और महंगाई राहत के कारण राजकोष पर संयुक्त रूप से 9,544.50 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का प्रभाव पड़ेगा। विज्ञप्ति के अनुसार, इससे 47.68 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.62 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। ■

प्रकृति, संस्कृति और विकृति

पं. दीनदयाल उपाध्याय

'संस्कृति' क्या है? इस संबंध में हमें कुछ मूल तत्त्वों पर विचार करना होगा। 'संस्कृति' शब्द 'कृ' धातु से बना है। 'कृ' का अर्थ है 'कृति'। जो कुछ हम करते हैं, वह सब कर्म ही हमारी 'कृति' है। हमारे प्रत्येक कार्य हमारे स्वभाव के अनुसार होते हैं, इसलिए मनुष्य का सामान्य स्वभाव ही उसकी 'प्रकृति' है। इस 'प्रकृति में यदि कुछ बिगाड़ उत्पन्न हो जाए, तो वह उसकी 'विकृति' होगी और यदि उसके कार्य में सुधार हुआ तो वह 'संस्कृति' हुई। इस प्रकार 'प्रकृति', 'विकृति' भी हो सकती है और 'संस्कृति' भी। 'संस्कृति' में दिशा है और गति भी अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर जब हम बढ़ते हैं तो वह 'संस्कृति' कहलाएगी और इसके विपरीत 'विकृति' होगी। इस प्रकार गतिशील होना या अवगतिशील होना, आगे बढ़ना या पीछे हटना इस बात पर निर्भर है कि हमारा गंतव्य, हमारा लक्ष्य क्या है? हमें जाना कहां है?

जीवन के इस निर्धारित लक्ष्य को भली-भांति पहचानकर आचरण करने में अतीव सुख का अनुभव होता है। इस विपरीत लक्ष्य को समझने के लिए हमें मूल-प्रकृति का ही विचार करना होता है। हमारी मूल प्रकृति हमारे लक्ष्य निर्धारण में ही सहायक होती है और तदनुसार हमें सुख-दुःख की अनुभूतियां होती हैं। लक्ष्यानुरूप होनेवाले कार्यों में सुख तथा लक्ष्य विरुद्ध होनेवाले कार्यों में दुःख होता है। इतिहास में रंतिदेव का क़िस्सा आता है। 49 दिन भूखे रहने के बाद भी उनके हाथ से जब कुत्ता रोटी छीनकर भाग गया, तो वे उसके पीछे इसलिए नहीं दौड़े कि वह उनकी रोटी छीनकर ले भागा है, वरन् वे सब्जी लेकर दौड़े, जिससे कुत्ता सूखी रोटी न खाए। कुछ लोग ऐसे भी हो सकते हैं, जिन्हें यदि कुत्ता रोटी ले जाए तो उस कुत्ते से रोटी छिनवा लेने में ही आनंद आएगा। भले ही वे स्वयं उस रोटी को न खाएं। इस प्रकार सुखों की अनुभूति में अंतर होता है। अंतर उसकी प्रकृति का द्योतक है, जो परंपरा से रक्त-मांस में प्राप्त होती है। प्रकृति का मूल स्वभाव एक दिन या अवस्था का परिपाक नहीं होता। बीती अनेक शताब्दियां, अनेक पीढ़ियां, पूर्व पुरुषों के अनेक आचरण, जलवायु, प्राकृतिक वायुमंडल और अनेक घटनाओं के संघातों से उत्पन्न सामान्य क्रियाओं के सूक्ष्म प्रभावों से प्रकृति का निर्माण होता है। इस मूल प्रकृति से संबंध विच्छेद नहीं किया जा सकता। अतः संस्कृति का विचार करते समय हमें मूल प्रकृति का ही विचार करना पड़ता है। जाति, धर्म, भूमि, राष्ट्र इतिहास से बनी इस मूल प्रकृति का पालन करने से बहुत कुछ 'संस्कृति' इसी में से प्राप्त हो जाती है। इस मूल प्रकृति में समय, स्थान और परिस्थिति के अनुसार कुछ परिष्कार करने की आवश्यकता समझी जा सकती है, किंतु उसका आधार भी मूल प्रकृति ही रहेगी। मूल प्रकृति को न समझते हुए यदि कोई उपाय योजना की गई, तो संस्कृति तो दूर, कृति ही समाप्त होकर संपूर्ण विनाश उपस्थित हो सकता है। जैसे एक बीज होता है तो उसकी एक विशिष्ट प्रकृति भी होती है। उसे मिट्टी में डालने से अंकुर अवश्य निकलेंगे और जैसा वह बीज होगा, उसके अनुरूप अंकुर निकलेंगे। धीरे-धीरे पौधा बनेगा, वृक्ष बनेगा। माली जो उस बीज की प्रकृति को पहचानता है, बो देता है। एक ओर बीज की प्रकृति में उपस्थित होनेवाली बाधाओं को दूर करता है और दूसरी ओर अधिक अच्छे परिणाम पाने के लिए उचित खाद-पानी की व्यवस्था करता है और पहले से अच्छे फल प्राप्त कर लेता है। किंतु इसके विपरीत कुछ हो तो? जैसे एक शेखचिल्ली का क़िस्सा है। एक शेखचिल्ली था, उसे मोटा-मोटा इतना ज्ञान था कि जैसे बोओ वैसा काटो। उसके पास कुछ भुने हुए चने थे। उसने यह सोचकर अपने पास के सब भुने हुए चने जमीन में वो दिए कि जिससे भुने चनों की अच्छी खेती उसे प्राप्त हो। परिणाम क्या हुआ? उसने चने के बीज की मूल प्रकृति नहीं समझी, अतः पैसे भी खर्च हुए, श्रम भी व्यर्थ गया और मूल में जो कुछ था, उससे भी हाथ धो बैठा। मूल प्रकृति न पहचानकर प्रयत्न करने से ऐसा ही होता है।

मूल प्रकृति का विचार जिस एक प्रश्न के द्वारा सनातन काल से होता आया है, वह है, ''मैं कौन हूं?''

दुनिया में ऐसे लोग हैं, जो इस प्रश्न का उत्तर अपनी प्रकृति के अनुसार तत्काल देते हैं कि ''मैं शरीर हूं।'' वे शारीरिक सुख के लिए पागल रहते हैं। उनका कहना है कि कुछ रासायनिक क्रियाओं से शरीर बना है। शरीर और उसका सुख ही सत्य है। किंतु कई बार शरीर के सब सुख उपलब्ध होने के बाद भी रुचते नहीं। सबकुछ खाने की सुविधा के बाद भी खाया हुआ अंग नहीं लगता। मन की अप्रसन्नता के कारण शरीर शिथिल पड़ जाता है। यह इस बात का द्योतक है कि शरीर ही सबकुछ नहीं है। अब तो पश्चिम के लोग भी इस बात को मानने लगे हैं कि मन की चिंता बड़ी भयंकर चीज़ है। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए मानसिक स्वास्थ्य की भी आवश्यकता होती है। उसी प्रकार हम जानते हैं कि कई बार अपने आप हाथ हिल उठता है। कारण बताया जाता है कि अचेतन मस्तिष्क में कुछ क्रियाएं होती हैं। इस प्रकार बुद्धि का भी विचार सामने आ जाता है। बुद्धि का सुख यदि प्राप्त न हो तो मनुष्य पागल हो जाता है। दिखाई देने से पागल व्यक्ति शरीर से बड़ा स्वस्थ दिखाई पड़ता है। उसमें शारीरिक शक्ति रहती है, किंतु उसे बुद्धि का सुख प्राप्त नहीं होता। इसलिए 'मैं कौन हूं, 'इस प्रश्न का उत्तर 'मैं शरीर हूं' नहीं हो सकता। शरीर, मन, बुद्धि तीनों का विचार आवश्यक है। इसके अतिरिक्त एक चौथी वस्तु भी है, जिसे आत्मा कहते हैं। जब तक इस आत्मसुख की प्राप्ति नहीं होती, तब तक शरीर, मन, बुद्धि के सुख कुछ एक सीमा तक ही सुखकारक हैं। इसलिए शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों का विचार करने पर संपूर्ण मनुष्य का विचार हो सकेगा। शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की सुखानुभूति प्राप्त करने के लिए निर्धारित की गई दिशा और विकास के अवसरों का निर्धारण ही भिन्न-भिन्न मनुष्य-समाजों की मूल प्रकृति का अंतर स्पष्ट करेगा। ■

- राष्ट्रधर्म, अक्तूबर, 1964

विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर

(7 मई, 1861 – 7 अगस्त, 1941)

विश्व कवि श्री रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के एकमात्र नोबल पुरस्कार विजेता हैं। श्री टैगोर को गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। श्री टैगोर एशिया के प्रथम व्यक्ति थे, जिन्हें 'गीतांजलि' के लिए साहित्य के नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री टैगोर दुनिया के एकमात्र ऐसे कवि हैं, जिनकी रचनाओं को दो देशों ने अपना राष्ट्रगान बनाया। भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांग्ला' गुरुदेव की ही रचनाएं हैं।

श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म श्री देवेंद्रनाथ टैगोर और श्रीमती शारदा देवी के संतान के रूप में 7 मई, 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ। वे अपने माता-पिता की तेरहवीं संतान थे। बचपन में उन्हें प्यार से 'रबी' बुलाया जाता था। उनकी स्कूल की पढ़ाई प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। 1878 में श्री टैगोर ने बैरिस्टर बनने की चाह में इंग्लैंड स्थित ब्रिजटोन के पब्लिक स्कूल में नाम दर्ज कराया। उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून का अध्ययन किया, लेकिन 1880 में बिना डिग्री हासिल किए ही वापस आ गए। उनका 1883 में मृणालिनी देवी के साथ विवाह हुआ। श्री रवींद्रनाथ ने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। 7 अगस्त, 1941 को देश की इस महान विभूति का देहावसान हो गया।

बचपन से ही लोगों को उनकी कविता, छन्द और भाषा में अद्भुत प्रतिभा का आभास मिलने लगा। उन्होंने पहली कविता आठ साल की उम्र लिखी और 1877 में केवल सोलह साल की उम्र में उनकी लघुकथा प्रकाशित हुई थी। भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान फूंकने वाले युगद्रष्टा श्री टैगोर के सृजन संसार में गीतांजलि, पूरबी प्रवाहिनी, शिशु भोलानाथ, महुआ, वनवाणी, परिशेष, पुनश्च, वीथिका शेषलेखा, चोखेरबाली, कणिका, नैवेद्य मायेर खेला और क्षणिका आदि शामिल हैं।

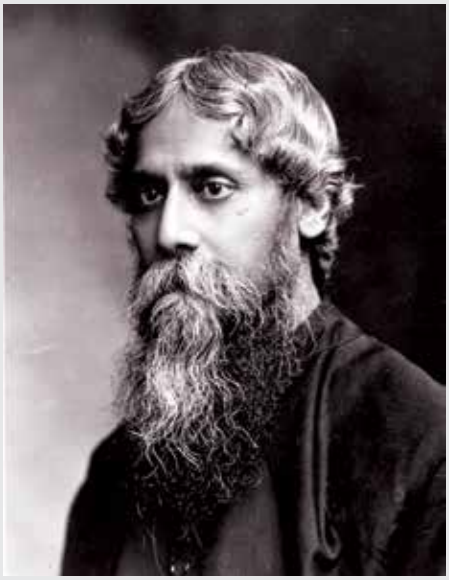

श्री टैगोर दुनिया के एकमात्र ऐसे कवि हैं, जिनकी रचनाओं को दो देशों ने अपना राष्ट्रगान बनाया। भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांग्ला' गुरुदेव की ही रचनाएं हैं

बहुआयामी प्रतिभा

श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर ने साहित्य, शिक्षा, संगीत, कला, रंगमंच और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनूठी प्रतिभा का परिचय दिया। मानवतावादी दृष्टिकोण के कारण वह सही मायनों में विश्व कवि थे। श्री रवींद्रनाथ ने देशी और विदेशी साहित्य, दर्शन, संस्कृति आदि को अपने अंदर समाहित कर लिया था। वह मानवता को विशेष महत्व देते थे। इसकी झलक उनकी रचनाओं में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होती है।

उनके मानवतावादी काव्य ने उन्हें दुनिया में पहचान दिलाई। दुनिया की तमाम भाषाओं में आज भी श्री टैगोर की रचनाओं को पसंद किया जाता है। श्री टैगोर की रचनाएं बांग्ला साहित्य में एक नयी बहार लेकर आईं। साहित्य की शायद ही कोई शाखा हो जिनमें उनकी रचनाएं न हों। उन्होंने कविता, गीत, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि सभी विधाओं में रचना की। उनकी कई कृतियों का अंग्रेजी में भी अनुवाद किया गया है। अंग्रेजी अनुवाद के बाद पूरा विश्व उनकी प्रतिभा से परिचित हुआ। श्री रवींद्रनाथ के नाटक भी अनोखे हैं। वे नाटक सांकेतिक हैं। उनके नाटकों में डाकघर, राजा, विसर्जन आदि शामिल हैं।

श्री रवींद्रनाथ की रचनाओं में मानव और ईश्वर के बीच का स्थायी संपर्क कई रूपों में उभरता है। इसके अलावा, उन्हें बचपन से ही प्रकृति का साथ काफी पसंद था। श्री रवींद्रनाथ चाहते थे कि विद्यार्थियों को प्रकृति के सान्निध्य में अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए शांतिनिकेतन की स्थापना की।

रवीन्द्र संगीत

श्री टैगोर ने करीब 2,230 गीतों की रचना की। रवींद्र संगीत बांग्ला संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। श्री टैगोर के संगीत को उनके साहित्य से अलग नहीं किया जा सकता। उनकी अधिकतर रचनाएं तो अब उनके गीतों में शामिल हो चुकी हैं। गुरुदेव ने जीवन के अंतिम दिनों में चित्र बनाना भी शुरू किया। इसमें युग का संशय, मोह, क्लांति और निराशा के स्वर प्रकट हुए हैं। मनुष्य और ईश्वर के बीच जो चिरस्थायी संपर्क है उनकी रचनाओं में वह अलग-अलग रूपों में उभरकर सामने आया। अलग-अलग रागों में गुरुदेव के गीत यह आभास कराते हैं, मानो उनकी रचना उस राग विशेष के लिए ही की गई थी। ■

बिम्सटेक क्षेत्रीय सहयोग को और सक्रिय बनाया जाएः नरेन्द्र मोदी

बिम्सटेक ने चार्टर को अपनाया, परिवहन मास्टर प्लान को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 30 मार्च को पांचवें बिम्सटेक (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) शिखर सम्मेलन में सम्मिलित हुये, जिसकी मेजबानी वर्चुअल माध्यम से श्रीलंका ने की, जो इस समय बिम्सटेक का अध्यक्ष है। बिम्सटेक के सात सदस्य देश— भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान हैं।

पांचवें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से पहले वरिष्ठ अधिकारियों और विदेश मंत्रियों के स्तर पर एक तैयारी बैठक हाइब्रिड पद्धति से कोलंबो में 28 और 29 मार्च को आयोजित की गई थी। शिखर सम्मेलन की विषय वस्तु 'टूवर्ड्स ए रेजीलियंट रीजन, प्रॉस्पेरस इकोनॉमीज़, हेल्दी पीपुल' सदस्य देशों के लिये प्राथमिकता विषय थी। इसके अलावा इसमें बिम्सटेक के प्रयासों से सहयोगी गतिविधियों को विकसित करना भी शामिल था, ताकि सदस्य देशों के आर्थिक तथा विकास पर कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों से निपटा जा सके।

सम्मेलन के दौरान बिम्सटेक ने आपसी सहयोग के विस्तार के लिए एक चार्टर को अंगीकार किया तथा परिवहन सम्पर्क को बढ़ावा देने के लिये एक मास्टर प्लान को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी तथा अन्य राष्ट्राध्यक्षों के समक्ष तीन बिम्सटेक समझौतों पर हस्ताक्षर हुये। इन समझौतों में वर्तमान सहयोग गतिविधियों में हुई प्रगति के विषय शामिल हैंः

- आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर बिम्सटेक समझौता
- राजनयिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में आपसी सहयोग पर बिम्सटेक समझौता-ज्ञापन
- बिम्सटेक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुविधा की प्रतिस्थापना के लिये प्रबंध-पत्र

शिखर सम्मेलन में बिम्सटेक कनेक्टीविटी एजेंडा को पूरा करने की उल्लेखनीय प्रगति का जायजा लिया गया। राष्ट्राध्यक्षों ने 'यातायात संपर्कता के लिये मास्टरप्लान' पर विचार किया, जिसके तहत भविष्य में इस इलाके में संपर्कता सम्बंधी गतिविधियों का खाका तैयार करने के दिशानिर्देश निहित हैं।

दरअसल, बिम्सटेक चार्टर पर हस्ताक्षर और इसे अंगीकार किया जाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे इस क्षेत्रीय संगठन को एक अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी और इसके कामकाज के लिए मूलभूत संस्थागत संरचना तैयार होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 मार्च को अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत, बिम्सटेक सचिवालय के परिचालन बजट को बढ़ाने के लिए सहयोग के रूप में 10 लाख अमेरिकी डॉलर प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र आज के चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिदृश्य से अछूता नहीं है। श्री मोदी ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्थाएं, हमारे लोग अब भी कोविड-19 महामारी के प्रभाव से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में यूरोप में हुए घटनाक्रम से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की स्थिरता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। श्री मोदी ने कहा कि इस संदर्भ में यह जरूरी हो गया है कि बिम्सटेक क्षेत्रीय सहयोग को और सक्रिय बनाया जाए।

श्री मोदी ने कहा कि यह आवश्यक हो गया है कि हमारी क्षेत्रीय सुरक्षा को और अधिक प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन में बिम्सटेक चार्टर को अपनाया जाना संस्थागत संरचना को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के परिणाम बिम्सटेक के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय लिखेंगे। श्री मोदी ने कहा कि हमारी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए बिम्सटेक सचिवालय की क्षमता को बढ़ाना भी जरूरी है। उन्होंने बिम्सटेक महासचिव को इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक रोडमैप बनाने का सुझाव दिया।

श्री मोदी ने कहा कि बिम्सटेक के सदस्य देशों के बीच परस्पर व्यापार बढ़ाने के लिए बिम्सटेक एफटीए प्रस्ताव पर आगे बढ़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे देशों के उद्यमियों और स्टार्टअप के बीच आदान प्रदान बढ़ाने की भी जरूरत है। इसके साथ ही हमें व्यापार सहयोग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय नियमों को भी अपनाना चाहिए।

श्री मोदी ने रेखांकित किया कि 'मौसम और जलवायु के लिए बिम्सटेक केंद्र' आपदा प्रबंधन में सहयोग के वास्ते एक महत्वपूर्ण संगठन है। उन्होंने कहा कि इसे और सक्रिय बनाने के लिए बिम्सटेक देशों के बीच सहयोग होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस केंद्र के काम को पुनः शुरू करने के लिए 30 लाख डॉलर देने को तैयार है। ■

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री श्री डैन तेहान, एमपी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री स्कॉट मॉरीसन की उपस्थिति में एक वर्चुअल समारोह में दो अप्रैल को भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए की मुख्य बातें

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए एक दशक के बाद किसी विकसित देश के साथ भारत का पहला व्यापार समझौता है। इस समझौते में दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों की एक व्यापक श्रृंखला सन्निहित है तथा यह वस्तुओं में व्यापार, उत्पत्ति के नियम, व्यापार की तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता (एसपीएस) उपाय, विवाद निपटान, तटस्थ व्यक्तियों की आवाजाही, दूरसंचार, सीमा शुल्क प्रक्रियाएं, फार्मास्यूटिकल उत्पाद एवं अन्य क्षेत्रों में सहयोग जैसे क्षेत्रों को कवर करता है।

द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए आठ विषय विशिष्ट सहायक अनुबंध पत्रों (साइड लेटर) पर भी समझौते के हिस्से के रूप में हस्ताक्षर किए गए।

प्रभाव या लाभ

ईसीटीए दोनों देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करने तथा सुधार लाने के लिए एक संस्थागत तंत्र उपलब्ध कराता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ईसीटीए भारत और ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रबंधित लगभग सभी टैरिफ लाइनों को कवर करता है। भारत, ऑस्ट्रेलिया द्वारा उसके 100 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर उपलब्ध कराए गए वरीयतापूर्ण बाजार पहुंच से लाभान्वित होगा। इसमें रत्न एवं आभूषण, कपड़े, चमड़ा, फुटवियर, फर्नीचर, खाद्य एवं कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चिकित्सा उपकरण एवं ऑटोमोबाइल जैसे भारत की निर्यात दिलचस्पी के सभी श्रम केन्द्रित सेक्टर शामिल हैं।

दूसरी तरफ, भारत ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया के निर्यात की लाइनों सहित अपनी टैरिफ लाइनों के 70 प्रतिशत से अधिक की वरीयतापूर्ण पहुंच प्रस्तुत करेगा, जो कोयला, खनिज अयस्क तथा वाइन आदि जैसे मुख्य रूप से कच्चे माल तथा इंटरमीडियरीज़ है।

जहां तक सेवाओं में व्यापार का प्रश्न है तो ऑस्ट्रेलिया ने लगभग 135 उप-क्षेत्रों में व्यापक प्रतिबद्धताओं तथा 120 उप-क्षेत्रों में सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) जो आईटी, आईटीईएस, व्यवसाय सेवाएं, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं ऑडियो विजुअल जैसे भारत की रुचि के प्रमुख क्षेत्रों को कवर करते हैं, की पेशकश की है।

ऑस्ट्रेलिया से सेवा क्षेत्र में की गई कुछ प्रमुख प्रस्तुतियां हैः शेफ तथा योग शिक्षकों के लिए कोटा, पारस्परिक आधार पर भारतीय छात्रों के लिए दो-चार वर्षों के लिए अध्ययन उपरांत कार्य वीज़ा; प्रोफेशनल सेवाओं तथा अन्य लाइसेंस प्राप्त/विनियमित व्यवसायों को परस्पर मान्यता; युवा प्रोफेशनलों के लिए वर्क तथा हॉलिडे वीज़ा।

दूसरी तरफ, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को लगभग 103 उप-क्षेत्रों में बाजार पहुंच तथा 'व्यवसाय सेवाओं', 'संचार सेवाओं', 'निर्माण एवं संबंधित इंजीनियरिंग सेवाओं' इत्यादि जैसे 11 व्यापक सेवा सेक्टरों से 31 उप-क्षेत्रों में सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र की प्रस्तुति की है। दोनों पक्षों ने इस समझौते के तहत फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर एक पृथक परिशिष्ट पर भी सहमति जताई है जो पैटेंटीकृत, जेनेरिक तथा जैवप्रकार औषधियों के लिए शीघ्रता से मंजूरी प्राप्त करने में सक्षम बनाएंगे।

समय-सीमा

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए के लिए बातचीत औपचारिक रूप से 30 सितम्बर, 2021 को फिर से आरंभ हुई तथा मार्च, 2022 के अंत तक फास्ट ट्रैक आधार पर संपन्न हुई।

पृष्ठभूमि

भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी 4 जून, 2020 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री स्कॉट मॉरीसन एमपी के बीच भारत आस्ट्रेलिया लीडर्स वर्चुअल समिट के दौरान आरंभ हुई, जो कि हमारे बहुपक्षीय तथा द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला है।

ऑस्ट्रेलिया भारत का 17वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा भारत ऑस्ट्रेलिया का नौवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वस्तु एवं सेवाओं दोनों के लिए भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 2021 में 27.5 बिलियन डॉलर आंका गया है। 2019 तथा 2021 के बीच ऑस्ट्रेलिया को भारत का वस्तु निर्यात 135 प्रतिशत बढ़ा। भारत के निर्यातों में मुख्य रूप से परिष्कृत उत्पादों का एक व्यापक बास्केट शामिल है तथा 2021 में ये 6.9 बिलियन डॉलर के थे। ऑस्ट्रेलिया से भारत का वस्तु आयात 15.1 बिलियन डॉलर का था, जिसमें मुख्य रूप से कच्चे माल, खनिज अवयव तथा इंटरमीडिएट वस्तुएं थीं। ■

राजस्थान में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ कांग्रेस सरकार: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 02 अप्रैल, 2022 को राजस्थान प्रदेश भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री जगत प्रकाश नड्डा अपने दो दिवसीय प्रवास के पहले दिन ट्रेन से सवाई माधोपुर पहुंचे। भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। स्वागत के बाद श्री नड्डा ने अनुसूचित जनजाति के बुद्धिजीवियों के एक सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में सवाई माधोपुर, करौली, दौसा, टोंक जिलों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने भरतपुर संभाग के भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

सवाई माधोपुर में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने राज्य और पूरे देश में आदिवासियों के विकास को सुनिश्चित करने में भाजपा की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने 1947 से 1998 और फिर 2004 से 2014 तक शासन किया... लेकिन आपको आदिवासी मंत्रालय अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की सरकार में ही मिला। आपको यह समझना होगा कि कौन सी पार्टी और कौन सा नेता आदिवासियों की परवाह करता है।"

परिवारवादी दल भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा हैं

परिवारवाद की राजनीति को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी परिवारवादी पार्टियां भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' में कुछ भी भारतीय या राष्ट्रीय या कांग्रेसी तत्व नहीं है। यह एक परिवार और

एक भाई और एक बहन की पार्टी है।'

श्री नड्डा ने तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा सहित कई अन्य दलों को परिवारवादी दल के तौर पर चिन्हित किया।

"बहुत से लोग नहीं जानते हैं कि जम्मू और कश्मीर में आदिवासी आबादी बहुत अधिक है। लेकिन स्वतंत्र भारत में वहां एक भी लोकसभा या विधानसभा की सीट आदिवासी भाइयों (जम्मू-कश्मीर में) के लिए आरक्षित नहीं थी। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी की इच्छाशक्ति और श्री अमित शाह की रणनीति के कारण धारा 370 को निरस्त कर दिया गया है। अब परिसीमन हो रहा है, जो अपने अंतिम चरण में है जिसके बाद जम्मू-कश्मीर से भी आदिवासी भाई जीतेंगे और लोकसभा एवं विधानसभा में आएंगे।"

श्री नड्डा ने अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह राजस्थान में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ है।

राजस्थान में 2023 में खिलेगा कमल

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजस्थान भाजपा को बधाई देते हुए कहा, '2023 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में भी कमल खिलेगा और भाजपा प्रधानमंत्री के चेहरे पर और उनके नेतृत्व में चुनाव लड़कर सरकार बनाएगी।'

उन्होंने बिरसा मुंडा जैसे आदिवासी नायकों का भी उल्लेख किया और मुगल सम्राट अकबर के साथ उनकी लड़ाई के दौरान महाराणा प्रताप की मदद करने में राजस्थान के भील समुदाय की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश पूनिया, पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता, क्षेत्र के प्रख्यात अनुसूचित जनजाति नेता और हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे। ■

भाजयुमो ने राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर कार्रवाई की मांग की

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने राष्ट्रीय महिला आयोग से राजस्थान में महिलाओं के बढ़ते उत्पीड़न और दलितों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर कार्रवाई करने की मांग की।

भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी श्रीमती नेहा जोशी एवं भाजयुमो राजस्थान अध्यक्ष श्री हिमांशु शर्मा ने 29 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा से मुलाकात की और इस मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार को महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया जाए। आयोग अध्यक्ष ने मामले पर कार्रवाई का आश्वासन दिया और जल्द ही राजस्थान सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का वादा किया।

भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने आक्रोश प्रकट करते हुए कहा, "राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में पिछले दो वर्षों में बलात्कार के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। भाजयुमो लगातार राजस्थान में महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाता रहा है। राजस्थान सरकार महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है, विशेष रूप से वंचित वर्गों से आने वाली महिलाओं की। भाजयुमो ने मांग की है कि एनसीडब्ल्यू राज्य में बिगड़ती स्थिति का संज्ञान ले। मैं एनसीडब्ल्यू से अनुरोध करता हूं कि वह राजस्थान सरकार को हमारी बहनों और बेटियों की सुरक्षा के उपाय करने का निर्देश दे।''

भाजयुमो उपाध्यक्ष श्रीमती नेहा जोशी ने कहा, "राजस्थान में प्रतिदिन बलात्कार के मामलों का दर्ज होना चिंताजनक है। हाल ही में जयपुर में एंबुलेंस में रोटी मांग रही दलित महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। राज्य की राजधानी में एक और महिला के जेवर लूट लिए गए, उसकी हत्या कर दी गई और उसके पैर काट दिए गए। अलवर में एक मूक-बधिर लड़की के साथ बलात्कार किया गया, जबकि बांसवाड़ा में एक मानसिक रूप से बीमार महिला के साथ बर्बरता की गई। दौसा जिले के मंडावर थाने में कांग्रेस विधायक के बेटे के खिलाफ दुष्कर्म का मामला भी दर्ज किया गया है। यह दर्शाता है कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना राजस्थान सरकार की सबसे कम प्राथमिकता है। भाजयुमो की मांग है कि एनसीडब्ल्यू इस पर संज्ञान लेकर तुरंत आवश्यक कदम उठाए।"

भाजयुमो ने सरकार की नीतियों, विज़न और शासन पर संवाद कार्यक्रम शुरू किया

भाजयुमो द्वारा एक संवाद वार्ता कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है जिसमें देशभर के युवा शीर्ष मंत्रियों/नेताओं के साथ सीधे बातचीत कर सकेंगे और नीति निर्माण की बारीकियों को पहली बार समझ सकेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 21वीं सदी के नए भारत की परिकल्पना को साकार करने और युवाओं को राष्ट्र निर्माण में परोक्ष रूप से शामिल करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम किया जा रहा है। ऐसे संवाद कार्यक्रम में भविष्य के लिए नेताओं को तैयार करने की क्षमता है, जो जमीनी स्तर से नीति निर्माण में प्रभावी रूप से अपना योगदान दे सकेंगे।

इन सत्रों में केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों, शिक्षा जगत के शीर्ष राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विद्वानों और विभिन्न थिंक टैंक के प्रतिनिधियों के बीच नीति निर्माण क्षेत्र पर बातचीत एवं चर्चा आयोजित किए जाएंगे। भाजयुमो देश के युवाओं को यह मंच प्रदान करके और उनकी सहायता करके उत्साहित है। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से देश वास्तविकता में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठा सकता है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, देशभर से 30 युवाओं के साथ जुड़ी और उनसे विभिन्न नीति संबंधी मुद्दों पर बात की। उन्होंने जिन विषयों को संबोधित किया उनमें मोदीनॉमिक्स, वित्त के कोविड दृष्टिकोण, वित्त मंत्रालय, रोजगार, स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, डिजिटल रुपया, भारत के आर्थिक विकास का भविष्य, देश के सामने आने वाली चुनौतियां, पसंदीदा पुस्तकें, वित्त से रक्षा का अनुभव और उनका व्यक्तिगत जीवन अनुभव जैसे विषय शामिल थे। चर्चा के विषय भाजयुमो द्वारा पूरे देश से एकत्र किए गए थे। भाजयुमो ने सत्र से पहले युवाओं के लिए अपने सवाल प्रेषित करने एक फॉर्म जारी किया था जिनमे से चयनित प्रश्नों को सीधा केंद्रीय वित्त मंत्रीजी से पूछा गया।

भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने 8 अप्रैल को कहा, "भारत विश्व में सबसे अधिक युवा जनसंख्या वाला देश है इसीलिए देश के नीति निर्धारण करते समय युवा वर्ग की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को सम्मिलित करना अति आवश्यक है। संवाद, लोकतंत्र में सामंजस्य स्थापित करने और समेकित विकास की परिकल्पना साकार करने के लिए एक सशक्त माध्यम है। इस पहल से युवा वर्ग को देश के नीति निर्धारण की प्रक्रिया में भागीदार बनने का अवसर मिलेगा। साथ ही, वरिष्ठ नेताओं के ज्ञान, अनुभव और मार्गदर्शन से देशहित में लिए जा रहे एवं भविष्य में लिए जाने वाले निर्णयों को और बेहतर ढंग से समझने में सहायता करेगा।" ■

वसुधैव कुटुंबकम ही हमारे विचार का मूल है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'भाजपा को जानिये (Know BJP)' अभियान के प्रथम चरण में 6 अप्रैल, 2022 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में यूरोपियन यूनियन सहित 13 देशों के राजनयिकों (Head of Missions) के साथ संवाद किया और उन्हें भाजपा के इतिहास के साथ-साथ पार्टी संगठन की विशेषताओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। भाजपा का उद्देश्य इसके माध्यम से दुनिया को भाजपा की विचारधारा, पार्टी के सिद्धांतों और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत लगभग आठ वर्षों से जारी देश की विकास यात्रा के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानिती श्रीनिवासन और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री एम. कीकोन सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

'भाजपा को जानिये' अभियान

पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले कार्यक्रम में विदेशी राजनयिकों का स्वागत किया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा ने स्वागत भाषण देते हुए पार्टी की विचारधारा और पार्टी के विस्तार के बारे में चर्चा की। इसके पश्चात् 1951 से लेकर अब तक की भारतीय जनता पार्टी की विकास यात्रा के बारे में एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। डॉक्यूमेंट्री के पश्चात् माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा के संगठन, पार्टी की विचारधारा, पार्टी के सिद्धांतों, पार्टी के चुनावी इतिहास और पार्टी के विजन के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने राजनयिकों के प्रश्नों के जवाब भी दिए। भाजपा को जानने में राजनयिकों को इतनी अधिक दिलचस्पी थी कि वे लगभग तीन घंटे तक भाजपा मुख्यालय में बैठे रहे, जिसमें प्रश्नोत्तर सेशन लगभग डेढ़ घंटे का रहा। कार्यक्रम के पश्चात् उन्होंने भाजपा कार्यालय का अवलोकन भी किया। पोलैंड और रोमेनिया के राजनयिकों ने हिंदी में प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में उपस्थित कई राजनयिक श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं से खासा प्रभावित दिखे। उन्होंने ग्राम-स्तर पर नरेन्द्र मोदी सरकार की अत्यंत ही सफल डीबीटी स्कीम एवं अन्य गरीब कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव करने की इच्छा भी जताई।

13 देशों के राजनयिकों को संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में 13 देशों के राजनयिकों का स्वागत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि शून्य से शिखर की भाजपा की यात्रा कई पड़ावों से होकर गुजरी है। आज भाजपा की स्थापना के 42 वर्ष पूरे हो रहे हैं, लेकिन भाजपा की यह विकास यात्रा 1951 से ही भारतीय जनसंघ के रूप में शुरू हो गई थी। तब से सिद्धांत और विचारधारा से समझौता किये बगैर ये हमारी प्रतिबद्धता रही है कि हम सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और अंत्योदय के आधार पर एक नए भारतवर्ष का निर्माण करें। हमारे अब तक के सभी कार्यक्रम, आंदोलन, हमारी सरकार की नीतियां और योजनाएं इसी दिशा में लक्ष्य की प्राप्ति के लिए रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। साथ ही, हमने पार्टी में भी आंतरिक लोकतंत्र के उच्चतम मानकों को स्थापित किया है। पार्टी में बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक, सभी चुनाव प्रक्रिया से होकर ही चुने जाते हैं। पार्टी में युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा आदि मोर्चाओं के माध्यम से जन-जन तक संपर्क साधा जाता है। पार्टी को सुदृढ़ करने में सहयोग हेतु गुड गवर्नेंस, पॉलिसी रिसर्च, मीडिया विभाग, प्रशिक्षण विभाग और विदेश विभाग सहित 18 विभाग हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा अपने सिद्धांतों पर अपनी विचारधारा पर डटकर खड़ी रही, जनता के साथ रही और इसी का परिणाम है कि कभी दो संसद सदस्यों वाली पार्टी आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 300 से अधिक सीटों की बहुमत के साथ जनता की सेवा कर रही है। भाजपा लगभग 18 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। लोक सभा और राज्य सभा मिलाकर हमारे सदस्यों की संख्या 402 हो गई है। 1988 के बाद पहली बार

भारतीय जनता पार्टी के रूप में किसी पार्टी की सदस्य संख्या 100 के पार गई है। आज 12 राज्यों में भाजपा की अपने दम पर सरकार है जबकि 6 अन्य राज्यों में भाजपा गठबंधन की सरकारें हैं। आज भाजपा के 1379 विधायक हैं और देश के लगभग 11 लाख राजनीतिक बूथों में से लगभग 8.5 लाख बूथों पर भाजपा की एक्टिव समितियां हैं।

श्री नड्डा ने पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों पर चर्चा करते हुए कहा कि इन पांच राज्यों में से चार में पहले से ही भाजपा की सरकारें थीं। इन चारों राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की वापसी हुई है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा को लगातार दूसरी बार दो-तिहाई बहुमत मिला है। इन चुनावों में भाजपा सरकारों में एंटी-इनकम्बेंसी की जगह प्रो-इनकम्बेंसी दिखाई दी। आजाद भारत में पहली बार ऐसा हुआ है जब उत्तर प्रदेश में एक मुख्यमंत्री लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में चुनकर आये। 37 साल में पहली बार यूपी में एक पार्टी को लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी हुई, वह भी बढ़े हुए वोट शेयर के साथ। गोवा में लगातार तीसरी बार भाजपा को जनता का समर्थन मिला। मणिपुर में पहली बार भाजपा को अपने दम पर बहुमत मिला।

उन्होंने कहा कि कोरोना कालखंड में भाजपा का सेवा और सामाजिक पक्ष भी उजागर हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सेवा ही संगठन' के मंत्र को भाजपा ने जमीन पर उतारा। इस दौरान लगभग 50 करोड़ राशन किट्स, फूड्स पैकेट्स, फेस मास्क, सैनिटाइजर्स और बुजुर्गों के लिए दवाई का प्रबंध किया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए मानवता के इस सबसे बड़े कार्य में अपना अमूल्य योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन संकट के दौरान जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वहां फंसे हजारों भारतीय छात्रों को निकालने में लगे हुए थे, वहीं भाजपा ने हजारों वालंटियर्स ने पीड़ित परिवारों से सतत संपर्क साधा। यहां पोलैंड, स्लोवाकिया और रोमानिया जैसे देशों के राजनयिक भी हैं, मैं आप सब लोगों को बहुत ही धन्यवाद देता हूं कि आप सब के सहयोग से हम अपने छात्रों को युद्धग्रस्त यूक्रेन से निकालने में कामयाब हो पाए।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के आम लोगों के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव पिछले लगभग आठ वर्षों में आया है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सशक्तीकरण ही श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का मुख्य उद्देश्य है। 'भाजपा को जानिये' (Know BJP) इनिशिएटिव का यह अपने तरह का पहला प्रयास है। यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। मैं आप सब को भाजपा के 42वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में आने के लिए धन्यवाद देता हूं।

एक प्रश्न के उत्तर में श्री नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार ने बिना किसी जाति, मजहब और धर्म या क्षेत्र के आधार के सभी लोगों के कल्याण के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत पर काम किया है। यही भाजपा की भी नीति रही है। हम बिना किसी का तुष्टिकरण किये देश के सभी लोगों के सर्वस्पर्शी और सर्व समावेशी कल्याण के लिए काम करते हैं। 'वसुधैव कुटुंबकम्' ही हमारे विचार का मूल है। ■

भारत का कृषि निर्यात 50 बिलियन डॉलर की ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा छह अप्रैल को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2021-22 के लिए कृषि उत्पाद (समुद्री तथा कृषि उत्पाद सहित) का निर्यात 50 बिलियन डॉलर को पार कर गया। यह अब तक का सबसे अधिक कृषि उत्पाद निर्यात है। वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार 2021-22 के दौरान कृषि निर्यात 19.92 प्रतिशत बढ़कर 50.21 बिलियन डॉलर हो गया। यह वृद्धि दर शानदार है और 2020-21 के 17.66 प्रतिशत यानी 41.87 बिलियन से अधिक है।

यह वृद्धि उच्च भाड़ा दरों, कंटेनर की कमी जैसी अप्रत्याशित लॉजिस्टिक चुनौतियों के बावजूद हुई है। पिछले दो वर्षों की यह उपलब्धि किसानों की आय में सुधार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न को साकार करने में काफी अधिक सफल होगी।

चावल (9.65 बिलियन डॉलर), गेहूं (2.19 बिलियन डॉलर), चीनी (4.6 बिलियन डॉलर) तथा अन्य अनाजों (1.08 बिलियन डॉलर) के लिए यह अब तक का सबसे अधिक निर्यात है। गेहूं निर्यात में अप्रत्याशित 273 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जहां 2020-21 में गेहूं निर्यात 568 मिलियन डॉलर का था, वहीं यह 2021-22 में चार गुना बढ़कर 2119 मिलियन डॉलर हो गया। ■

अंत्योदय के दर्शन से प्रेरित 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना

विकास आनंद

'स्टैंड अप इंडिया' योजना को छह वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह योजना मोदी सरकार की प्रमुख पहलों में से एक है, जिसका लक्ष्य समाज के हर तबके के लिए समृद्धि सुनिश्चित करना है। योजना के छह साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस पहल को भारत में आगे की प्रगति और समृद्धि के लिए उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'भारत उद्यमशीलता की ऊर्जा से भरा हुआ है और 'स्टैंड-अप इंडिया' पहल इसी भावना को प्रोत्याहित कर प्रगति और समृद्धि को सुनिश्चित करने का प्रयास है।'

5 अप्रैल 2016 को इसकी शुरुआत के बाद से 1 लाख 33 हजार 995 से अधिक खाताधारकों को 30,160 करोड़ रुपये से अधिक राशि के ऋणों को मंजूरी दी जा चुकी है। कुल स्वीकृत ऋणों में से 6,435 से अधिक अनुसूचित जनजाति उधारकर्ताओं के हैं, जिसके लिए 1373.71 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। ऐसे ही 19,310 खाते अनुसूचित जनजाति उधारकर्ताओं के हैं, जिनको 3976.84 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। कुल 1,08,250 महिला उद्यमियों को 24809.89 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस योजना के तहत महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों को 10 लाख से एक करोड़ रुपये तक के ऋण दिये जाते हैं। ताजा उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार योजनान्तर्गत 7 अप्रैल तक कुल स्वीकृत आवेदन की संख्या 1,35,057 तथा कुल स्वीकृत राशि 30395.78 करोड़ रुपये थी।

> इस योजना का प्रमुख लक्ष्य समाज के वंचित वर्गों के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और उन्हें नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाला बनाना है। स्टैंड अप इंडिया का फोकस महिलाएं, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) हैं

यह योजना 'अंत्योदय' के दर्शन से प्रेरित है। अंत्योदय भारतीय जनता पार्टी का मूल मूलभूत दर्शन है। अंत्योदय के माध्यम से भाजपा सरकार समाज के गरीब से गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए खुद को समर्पित कर रही है। इसलिए इस योजना का प्रमुख लक्ष्य समाज के वंचित वर्गों के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और उन्हें नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाला बनाना है। 'स्टैंड अप इंडिया' का फोकस महिलाएं, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) हैं। यह उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने में मदद करने के लिए 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता की सुविधा देती है। यह वित्तीय सहायता विनिर्माण, सेवा क्षेत्र या व्यापार क्षेत्र के साथ-साथ कृषि से संबंधित क्षेत्रों में ग्रीनफील्ड उद्यमों (पहली बार परियोजनाओं/उद्यमों) के लिए उपलब्ध है। इस योजना के अनुसार प्रति बैंक शाखा कम से कम एक महिला को इस योजना का लाभ मिलना चाहिए। इस योजना के तहत कर्ज गैर-व्यक्तिगत व्यवसायों को भी दिया जाता है। ऐसे मामलो में उद्यम के कम से कम 51 प्रतिशत शेयर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति या महिलाओं के नाम होने चाहिए।

2021-22 के बजट में योजना के तहत ऋण प्राप्त करने के लिए मार्जिन मनी को परियोजना लागत के 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इस घोषणा में कृषि से जुड़ी गतिविधियों को भी ऋण के लिए पात्र बनाया गया है। संबद्ध कृषि क्षेत्र में मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, पशुधन, पालन, छंटाई, एकत्रीकरण कृषि उद्योग, डेयरी, मत्स्य पालन, खाद्य कृषि प्रसंस्करण आदि शामिल हैं। अनुसूचित बैंकों की 1,35,518 शाखाएं इस 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना से जुड़ी हैं और इसके सपने को साकार करने में मदद कर रही हैं।

'स्टैंड-अप इंडिया' योजना पोर्टल ने ऐसे उद्यमियों की कहानियों को साझा किया, जिन्होंने योजना की मदद से खुद को उद्यमिता में उभरते सितारे के रूप में सूचीबद्ध किया। उदाहरण के लिए गृहिणी से उद्यमी बनीं श्रीमती मानसी देवी, जो धुबरी शहर की एक छोटी व्यवसायी हैं, ने एक नया व्यवसाय शुरू करने के बारे में सोचा। 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना के तहत उन्हें 15 लाख रुपये की मदद मिली और जिससे उन्होंने धुबरी टाउन में स्टील फेब्रिकेशन की फैक्ट्री लगाई और वह वर्तमान में 15 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान कर रही है। उनका दैनिक कारोबार 5000 से 7000 रुपये तक है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 3-4 ऑर्डर आते हैं। हमारे समाज में वंचित पृष्ठभूमि के उद्यमियों की संपर्क जानकारी के साथ पोर्टल पर ऐसी कई कहानियां प्रकाशित की गई हैं जो 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को प्रोत्साहित कर रही हैं। ■

'नया भारत' न केवल बड़े सपने देखता है, बल्कि लक्ष्य तक पहुंचने का साहस भी दिखाता है: नरेन्द्र मोदी

एक समय में भारत से निर्यात का आंकड़ा कभी 100 बिलियन (अरब), कभी डेढ़-सौ बिलियन, कभी 200 सौ बिलियन डॉलर तक हुआ करता था। अब आज, भारत 400 बिलियन डॉलर यानी 30 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है

गत 27 मार्च को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 400 बिलियन (अरब) डॉलर यानी 30 लाख करोड़ रुपये मूल्य के वस्तुओं के निर्यात का लक्ष्य पहली बार हासिल करने और केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों की ऑनलाइन खरीद के पोर्टल 'गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस' (जीईएम) से वित्त वर्ष 2021-22 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के माल एवं सेवाओं की खरीद का उल्लेख करते हुए कहा कि यही तो 'नया भारत' है जो न केवल बड़े सपने देखता है, बल्कि उस लक्ष्य तक पहुंचने का साहस भी दिखाता है।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 87वीं कड़ी में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि इसी साहस के दम पर सभी भारतीय मिलकर 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना भी जरुर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि एक समय में भारत से निर्यात का आंकड़ा कभी 100 बिलियन, कभी डेढ़-सौ बिलियन, कभी 200 सौ बिलियन डॉलर तक हुआ करता था। अब आज, भारत 400 बिलियन डॉलर यानी 30 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

श्री मोदी ने कहा कि आज देश के कोने-कोने से नए-नए उत्पाद विदेश जा रहे हैं। इस कड़ी में उन्होंने असम के हैलाकांडी के चमड़ों के उत्पाद, उस्मानाबाद के हैंडलूम के उत्पाद, बीजापुर की फल-सब्जियों, चंदौली के काले चावल और त्रिपुरा के कटहल का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका निर्यात तेजी से बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि नए-नए उत्पाद नए-नए देशों को भेजे जा रहे हैं। अब आप दूसरे देशों में जाएंगे, तो 'मेड इन इंडिया' उत्पाद पहले की तुलना में कहीं ज्यादा नज़र आएंगे। श्री मोदी ने कहा कि विदेशों में निर्यात किए जा रहे उत्पादों की सूची बहुत लंबी है और जितनी लम्बी यह सूची है, उतनी ही बड़ी 'मेक इन इंडिया' की ताकत है और उतना ही विराट भारत का सामर्थ्य है।

उन्होंने कहा कि भारत के लोगों का ये सामर्थ्य अब दुनिया के कोने-कोने में, नए बाजारों में पहुंच रहा है। श्री मोदी ने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बनाने और भारतीय उत्पादों की प्रतिष्ठा बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि जब एक-एक भारतवासी 'लोकल के लिए वोकल' (स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने वाला) होता है, तब स्थानीय उत्पादों को वैश्विक होते देर नहीं लगती है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में जीईएम पोर्टल के जरिए सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की चीजें खरीदी हैं और देश के कोने-कोने से करीब-करीब सवा-लाख लघु उद्यमियों और छोटे दुकानदारों ने अपना सामान सरकार को सीधे बेचा है। श्री मोदी ने कहा कि एक ज़माना था जब बड़ी कम्पनियां ही सरकार को सामान बेच पाती थीं, लेकिन अब देश बदल रहा है और पुरानी व्यवस्थाएं भी बदल रही हैं।

उन्होंने कहा कि अब छोटे से छोटा दुकानदार भी जीईएम पोर्टल पर सरकार को अपना सामान बेच सकता है। यही तो नया भारत है। ये न केवल बड़े सपने देखता है बल्कि उस लक्ष्य तक पहुंचने का साहस भी दिखाता है, जहां पहले कोई नहीं पहुंचा हो। इसी साहस के दम पर हम सभी भारतीय मिलकर 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना भी जरुर पूरा करेंगे।

'मन की बात' के दौरान श्री मोदी ने यह भी कहा कि आज पूरे विश्व में हेल्थ को लेकर भारतीय चिंतन चाहे वो योग हो या आयुर्वेद इसके प्रति रुझान बढ़ता जा रहा है। अभी आपने देखा होगा कि पिछले ही सप्ताह कतर में एक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 114 देशों के नागरिकों ने हिस्सा लेकर एक नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। इसी तरह से आयुष इंडस्ट्री का बाजार भी लगातार बड़ा हो रहा है। 6 साल पहले आयुर्वेद से जुड़ी दवाइयों का बाजार 22 हजार करोड़ रुपए के आसपास का था। आज आयुष मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री एक लाख चालीस हजार करोड़ रुपए के आसपास पहुंच रही है, यानी इस क्षेत्र में संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। स्टार्ट-अप वर्ल्ड में भी आयुष; आकर्षण का विषय बनता जा रहा है। ■

हमें ईर्ष्या के बजाय सीखने की प्रवृत्ति रखनी चाहिएः नरेन्द्र मोदी

गत एक अप्रैल को परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के 5वें संस्करण में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, डॉ. सुभाष सरकार, डॉ. राजकुमार रंजन सिंह और श्री राजीव चंद्रशेखर सहित राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों की वर्चुअल तौर पर उपस्थिति थी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के जवाब में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सुझाव दिया कि उन्हें अपनी तैयारी की ताकत पर ध्यान देना चाहिए और अपने दिन-प्रतिदिन की दिनचर्या में तनावमुक्त और स्वाभाविक रहना चाहिए। दूसरों की नकल के रूप में कुछ भी करने की कोशिश करने का कोई मतलब नहीं है, लेकिन अपनी दिनचर्या के साथ रहें और उत्सव की तरह निश्चिंतता से काम करें।

श्री मोदी ने कहा कि चाहे ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, जब मन पढ़ाई में लगा हो तो ध्यान भटकाने वाली चीजों से छात्रों को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी विकसित होगी और छात्रों को शिक्षा में नई तकनीकों को अपनाना चाहिए। सीखने के नए तरीकों को एक अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए, चुनौती के रूप में नहीं।

उन्होंने दूसरों में गुणों की सराहना करने और उनसे सीखने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता को दोहराया। हमें ईर्ष्या के बजाय सीखने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। जीवन में सफलता के लिए यह क्षमता महत्वपूर्ण है। ■

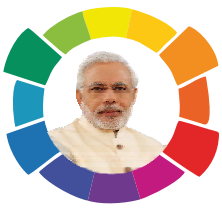

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

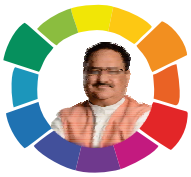

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोनः 011-23381428 फैक्सः 011-23387887 ईमेलः kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेशः राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 'परीक्षा पे चर्चा 2022' के 5वें संस्करण के दौरान छात्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 'परीक्षा पे चर्चा 2022' के 5वें संस्करण में छात्रों से बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 5वें बिम्सटेक (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी–सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह–II में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में भारत–ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के वर्चुअल समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

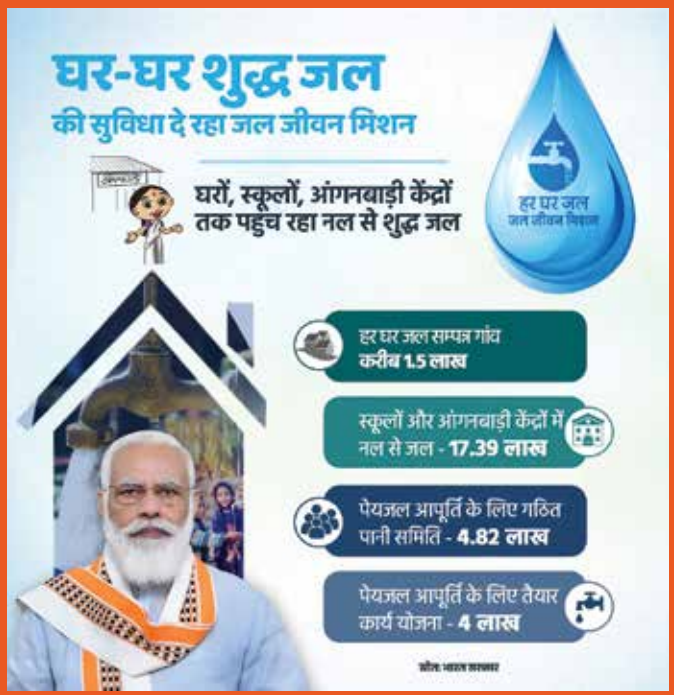

आवरण: अजय कुमार सिंह